RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक

दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

श्रीकंचनपथ ONLINE

visit us http://www.shreekanchanpath.com

वर्ष- 13, अंक - 184

भिलाई, शुक्रवार 22 अप्रैल 2022

पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

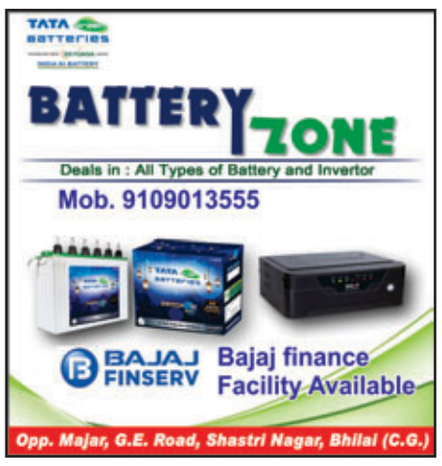

खास-खबर

आतंक पर वार: पीएम मोदी के जम्मू-कश्मीर दौरे से पहले बड़ा ऑपरेशन, अब तक छह आतंकी ढेर, एएसआई शहीद

जम्मू (एजेंसी)। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पंचायती राज दिवस के मौके पर 24 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के दौरे पर आने वाले हैं। कश्मीर के पाली गांव में उनका कार्यक्रम होगा। इसे देखते हुए पूरे जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा व्यवस्था कई गुना बढ़ा दी गई है। इसके बावजूद बीते दो दिनों से यहां आतंकी गतिविधियां बढ़ गई हैं। मात्र दो दिनों में हुई आतंकी मुठभेड़ों अब तक कुल छह आतंकी मारे जा चुके हैं, जिसमें लश्कर-ए-तैयबा का एक कमांडर भी शामिल है। जबकि एक सीआईएसएफ के एएसआई भी शहीद हुए हैं और कई जवान घायल हैं। जम्मू-कश्मीर के सुजवां में शुक्रवार सुबह सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच चल रही मुठभेड़ में दो दहशतगर्द ढेर कर दिए गए, वहीं एक जवान शहीद हो गया है और चार जवान घायल हैं। मुठभेड़ जम्मू के सुंजवां इलाके में हो रही है। जम्मू जोन के एडीजीपी मुकेश सिंह ने कहा कि हुई मुठभेड़ में कुल दो आतंकवादी मारे गए।

सीएम बघेल ने किया उद्योग भवन का लोकार्पण, व्यापारियों से बोले- आप स्टील बेचते हैं और हम गोबर भी बेच देते हैं

औद्योगिक केंद्र की पहचान भिलाई से

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल दो दिवसीय दुर्ग जिले के दौरे पर हैं। उन्होंने आज दोपहर को शहर में बने जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के नए भवन का लोकार्पण किया। इस मौके पर सीएम बघेल खास अंदाज में दिखे। उन्होंने व्यापारियों से कहा कि आप तो स्टील बेच रहे हो और हम तो गोबर भी बेच देते हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों का स्किल डेवलपमेंट करें, रोजगार की संभावना होगी तो वे उद्योगों को स्वीकार करेंगे।

इससे पहले सीएम बघेल आज दोपहर को तय समय पर बटालियन में बने हैलीपैड पर उतरे। इस मौके पर गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू, कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे सहित अन्य अधिकारियों ने ने उनकी अगुवाई की। यहां से निकलकर वे सीधे जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के नए भवन का लोकार्पण करने पहुंचे। यह भवन सवा चार करोड़ रुपए की लागत से बनाया गया है। यह भवन जी प्लस 2 माडल पर तैयार किया गया है। ग्राउंड फ्लोर पर जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र संचालित होगा। ऊपर के दो फ्लोर में अन्य विभागीय दफ्तरों का संचालन होगा।

गोठान को भी ग्रामीण उद्योग के रूप में बदला

सीएम बघेल ने कहा कि हमने ग्रामीण क्षेत्रों में गोठान को भी ग्रामीण उद्योग के रूप में बदला है और रूरल इंडस्ट्रियल पार्क के रूप में इसे विकसित करने की दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आप अपने कम्पोनेन्ट यहां बनवा सकते हैं। आपके उद्योगों के लिए इन रूरल पार्क से काफी मदद मिल सकती है। आप लोग विजनरी हैं सरकार की पूरी सहायता आपके साथ हैं।

केन्द्रीय मंत्री से चर्चा

इस मौके पर सीएम बघेल ने केन्द्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से हुई अपनी चर्चा का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश को ऊर्जा परिदृश्य में काफी संभावना है। हमने कहा कि धान से एथेनॉल बनाने की अनुमति मिलने पर इस उद्योग के लिए बड़ा काम हो सकता है। किसान उन्मुख नीतियों का लाभ बाजार को मिला है। कोर सेक्टर और बाहर हम सबको अवसर देंगे। हमारे उद्योगपति ही हमारे उद्योग के ब्रांड एम्बेसडर हैं।

उद्योगों की समस्याएं जानकर उनका निराकरण किया

सीएम बघेल ने कहा कि कोरोना काल में उद्योग संगठनों की समस्याएं जानी और इसका निराकरण किया गया। हमने प्रदेश के उन क्षेत्रों में भी उद्योग प्रसार की नीति अपनाई जहां पर उद्योग कम थे। मैंने फाइनल ड्राफ्ट बनने के बाद भी उद्योगपतियों से चर्चा की। जब उद्योग की बात आती है तो रोजगार के उद्देश्य से इसकी मांग होती है लेकिन कई बार स्थानीय स्तर विरोध होता है। स्थानीय स्तर पर रोजगार हो तो पलायन नहीं होगा।

कोरोना काल के दौरान बड़ी संख्या में श्रमिकों को गोआ से वापस लाया गया था। हमने उन्हें बताया कि स्थानीय स्तर पर उद्योग के कार्य हो सकें। हमने ऑरेंज एरिया चिन्हांकित किये। चैम्बर के अधिकारियों से बस्तर में बैठक ली। उन्हें बताया कि जब आप उद्योग लगाएं तो स्थानीय स्तर पर सर्वे कर लोगों का कौशल उन्नयन करें, फिर लोग उद्योग प्रोत्साहित करेंगे क्योंकि अब उनके लिए आपके पास रोजगार की संभावना है।

बीएसपी प्रदेश के उद्योगों के लिए रीढ़ की तरह

कार्यक्रम के दौरान सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि दुर्ग जिला औद्योगिक जिला है लेकिन देश में ओद्योगिक केंद्र की पहचान भिलाई से है। बीएसपी की स्थापना के बाद यहां उद्योगों की शुरुआत हुई। दुर्ग के निर्माण में यहां के उद्योगों की बड़ी भूमिका है। बीच के दौर में निजीकरण का दौर चला और श्रमिकों की मांग घटी। तकनीक का असर पड़ा है। बीएसपी प्रदेश के उद्योगों के लिए रीढ़ की तरह है।

वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का भी किया लोकार्पण

जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के नए भवन के लोकार्पण के बाद सीएम बघेल ने अमृत मिशन के तहत बने वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का लोकार्पण किया। 140 करोड़ रुपए की इस योजना के माध्यम से 32000 परिवारों को शुद्ध पेयजल की आपूर्ति हो सकेगी। इसके अंतर्गत वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के रिनोवेशन के साथ ही पाइपलाइन विस्तारीकरण तथा पांच टंकियों का निर्माण कार्य किया गया है। इस मौके पर सीएम बघेल के साथ नगरीय निकाय मंत्री शिव कुमार डहरिया, दुर्ग विधायक अरुण वोरा व महापौर धीरज बाकलीवाल उपस्थित रहे।

भिलाई में बड़ा हादसा : आंधी से गिरी दीवार ने छीनी मासूम जिंदगी, माता-पिता घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। गुरुवार रात को चली आंधी व बारिश से एक परिवार के घर की खुशियां लुट गई। तेज आंधी के कारण पड़ोसी के घर पर दीवार गिरने से एक 12 साल के बच्चे की मौत हो गई। वहीं बच्चे माता-पिता घायल हो गए। घायल पिता को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं बेटे की मौत से मां का हाल बेहाल है। घटना कैंप 1 प्रगति नगर की है।

मिली जानकारी के अनुसार कैंप-1 प्रगति नगर के दुर्गा मंदिर के पास यह हादसा हुआ। अशोक प्रजापति अपनी पत्नी निर्मला देवी प्रजापति और बेटे प्रियांशु प्रजापति (12) के साथ अपने घर के एक कमरे में सोया हुआ था। दूसरे कमरे में उसकी दोनों बेटियां सोई हुई थी। बताया जा रहा है कि अशोक अपने बेटे प्रियांशु के साथ पलंग पर सोया था। उसकी पत्नी निर्मला देवी प्रजापति जमीन पर बिस्तर बिछाकर सोई थी।

तेज आंधी की वजह से गिरी पैराफिट दीवार

रात को आंधी के कारण अशोक प्रजापति के पड़ोसी के तीसरे माले में टॉवर का पैराफ्रिट दीवार इनके छत पर गिरी। ऊंचाई से गिरने के कारण सीट को तोड़ते हुए कमरे में सोए अशोक प्रजापति व उसके बेटे प्रियांशु प्रजापति के ऊपर गिरी। सिर पर गंभीर चोट लगने बच्चे की मौत हो गई वहीं अशोक प्रजापति को भी गहरी चोट आई है उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हादसे में उसकी पत्नी को भी मामूली चोट आई है। दूसरे कमरे में सो रही उसकी दोनों बेटियां सुरक्षित हैं। सूचना मिलने पर आज सुबह मौके पर छावनी पुलिस पहुंची और मर्ग कायम कर जांच शुरू की है। बताया जा रहा है कि मृतक प्रियांशु प्रजापति कक्षा सातवीं का छात्र था। वो अपने दोनों बहनों से छोटा था। हादसे के बाद प्रियांशु की मां का बुरा हाल है।

बड़ा हादसा: राजनांदगांव में हादसे के बाद कार में लगी आग, माता-पिता और तीन बेटियों की जिंदा जलने से मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। राजनांदगांव -खैरागढ़ रोड पर गुरुवार की देर रात बड़ा हादसा हो गया। इस हादसे में एक ही परिवार के पांच लोग लोग जिंदा जल गए। कार में माता पिता व तीन बेटियां सवार थी सभी की मौत हो गई है। सिंगारपुर के गणेश मंदिर के पास पुलिया के पास कार दुर्घटनाग्रस्त हुई और इसके आग लग गई। हादसे की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी शवों को पीएम के भेजा।

मिली जानकारी के खैरागढ़ निवासी सुभास कोचर उनकी पत्नी, तीन बेटियों के साथ बालोद से रात बारह बजे शादी अटेंड कर खैरागढ़ लौट रहे थे। वापसी में रात 1.50 बजे सिंगारपुर के गणेश मंदिर के पास पुलिया से कार टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इकसे बाद कार में आग लग गई। कार सवार किसी को भी बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। कार में सवार सभी पांच लोगों की मौत हो गई है। घटना के बाद मौके पर खैरागढ़ एसडीओपी दिनेश सिन्हा सहित थाने का स्टाफ पहुंचा।

खैरागढ़ एसडीओपी दिनेश सिन्हा ने बताया कार में पति पत्नी व उनकी तीन बेटियां थी। परिवार खैरागढ़ के गोल बाजार में निवासी हैं। हादसे में सुभाष कोचर (60), कांति देवी कोचर (58), भावना (रानी) कोचर (35), वृद्धि कोचर (25) व पूजा कोचर (22) शामिल हैं। सभी के शवों को पीएम के लिए भेज दिया गया है। वहीं घटना की जांच की जा रही है। फेरेंसिंक टीम जांच में जुटी है।

हादसे में मृत सुभाष कोचर उसकी पत्नी व बेटियां

खैरागढ़ एसडीओपी दिनेश सिन्हा ने बताया कि यह हादसा खैरागढ़ राजनांदगांव मुख्य मार्ग में ठेलकाडीह थाने से लगभग 4 किलोमीटर दूरी पर रात्रि लगभग 1:50 बजे ग्राम सिंगारपुर- गोपालपुर के बीच हुआ है। हादसा इतना भयानक था कि एक्सीडेंट के बाद अल्टो कार में आग लग गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग लगने के बाद कोई बाहर नहीं निकल पाया। जिससे झुलसने से सभी की मौत हो गई।

संपादकीय

मुफ्तखोरी का बोझ

मुफ्तखोरी की संस्कृति एक प्रतिकूल परंपरा है, जो न केवल राजनीति, बल्कि अर्थव्यवस्था को भी नुकसान पहुंचाती है। 15वें वित्त आयोग के अध्यक्ष अर्थशास्त्री एन के सिंह ने मुफ्त उपहार योजनाओं को लेकर कुछ वाजिब सवाल उठाए हैं। साथ ही, यह भी कहा है कि अभी मुफ्त योजनाओं के अर्थ में बहुत अस्पष्टता है। वाकई हमें यह देखना चाहिए कि कौन-सी वस्तु मुफ्त देने लायक है और कौन-सी वस्तु देने लायक नहीं है। मिसाल के लिए, सार्वजनिक वितरण प्रणाली को मजबूत और व्यापक करना, रोजगार गारंटी योजनाएं, शिक्षा के लिए सहायता और स्वास्थ्य के लिए विशेष रूप से महामारी के दौरान परिव्यय बढ़ाना सही है। पूरी दुनिया में ऐसे व्यय को न्यायपूर्ण माना जाता है। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि दुनिया में गरीबों या अभावग्रस्त लोगों की संख्या कम से कम एक चौथाई है, उनकी आर्थिक-सामाजिक सुरक्षा के प्रबंध करना हर सरकार की जिम्मेदारी है। कोरोना के समय भारत में ही 80 करोड़ लोगों तक मुफ्त अनाज पहुंचाने की कोशिश हुई, उसकी निंदा भला कौन कर सकता है? कई बार लोगों को मुफ्त सेवाएं या वस्तुएं देना जरूरी हो जाता है। ऐसे में, एन के सिंह का इशारा बिल्कुल सही है कि जरूरी और गैर-जरूरी के बीच हमें फर्क करना चाहिए।

> यह सही है कि सरकारों की व्यय प्राथमिकताओं की वजह से विकास व विकास की योजनाओं पर असर पड़ रहा है। मुफ्त सुविधाओं से कुशलता और प्रतिस्पर्द्धा, दोनों पर नकारात्मक असर पड़ता है। वह मुफ्तखोरी के अर्थशास्त्र को निरपवाद रूप से गलत बताते हुए सुधार की पैरोकारी करते हैं। मुफ्त उपहार की राजनीति व उसके अर्थशास्त्र, दोनों में गहरी खामियां हैं। यह दौड़ नीचे की ओर है, जिससे बचना चाहिए।

सरकारों को यह सोचना ही चाहिए कि मुफ्त योजनाएं लंबे समय में अर्थव्यवस्था, जीवन की गुणवत्ता और सामाजिक सामंजस्य के लिए कितनी महंगी पड़ेंगी। एन के सिंह ने दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के वार्षिक दिवस के अवसर पर साफ कहा है कि मुफ्त योजनाओं की प्रतिस्पर्द्धी राजनीति से हमें डरना चाहिए। हमें आर्थिक विकास की उच्च दर हासिल करने की राह पर चलना चाहिए। आज दक्षता की दौड़ ही संपन्नता की दौड़ है। ऐसी योजनाएं अगर बढ़ती गईं, तो उन राज्यों का क्या होगा, जिनकी अर्थव्यवस्था पहले से ही बहुत दबाव में है। सरकारों पर जो कर्ज है, उसे भी देखना चाहिए। वस्तुत: कर्ज लेकर मुफ्त योजनाओं के दम पर राजनीति करना एक बड़े वर्ग के साथ अन्याय भी है। अनुमान के अनुसार, पंजाब में मुफ्त योजनाओं या उपहारों के वादे को लागू करने में लगभग 17,000 करोड़ रुपये खर्च हो सकते हैं। इससे जीएसडीपी के तीन प्रतिशत के बराबर का अतिरिक्त भार पड़ेगा। पंजाब के सकल घरेलू उत्पाद में पचास प्रतिशत से ज्यादा तो ऋण है, मतलब मुफ्त योजनाओं से पंजाब पर भार बढ़ना तय है।

उन्होंने एक और उपयोगी मिसाल दी है। राजस्थान की सरकार ने घोषणा की है कि वह पुरानी पेंशन योजना को लागू करेगी। यह निर्णय प्रतिगामी है, क्योंकि पुरानी पेंशन योजना से पीछा छुड़ाना इस तथ्य पर आधारित था कि वह योजना समानता पर आधारित नहीं थी। राजस्थान का पेंशन एवं वेतन व्यय उसके कर और गैर-कर राजस्व का करीब 56 प्रतिशत है, यानी उसकी छह प्रतिशत सिविल सेवक आबादी को राज्य के 56 प्रतिशत राजस्व का लाभ मिलता है। यह समानता और नैतिकता के सिद्धांत के भी विपरीत है। यह सही है कि सरकारों की व्यय प्राथमिकताओं की वजह से विकास व विकास की योजनाओं पर असर पड़ रहा है। मुफ्त सुविधाओं से कुशलता और प्रतिस्पर्द्धा, दोनों पर नकारात्मक असर पड़ता है। वह मुफ्तखोरी के अर्थशास्त्र को निरपवाद रूप से गलत बताते हुए सुधार की पैरोकारी करते हैं। मुफ्त उपहार की राजनीति व उसके अर्थशास्त्र, दोनों में गहरी खामियां हैं। यह दौड़ नीचे की ओर है, जिससे बचना चाहिए।

मिलावटखोरों को सजा-ए-मौत

अगर दुनिया में मिलावटखोर देशों की खोज-बीन होने लगे तो शायद हमारे भारत का नाम पहली पंक्ति में होगा। ऐसा नहीं है कि अन्य देशों में मिलावट के अपराध नहीं होते लेकिन कई देशों में मिलावटखोरों के लिए उसी सजा का प्रावधान है, जो किसी हत्यारे के लिए होती है। वास्तव में मिलावटखोर किसी भी हत्यारे से बड़ा हत्यारा होता है। मिलावटी खाद्य पदार्थों का सेवन करनेवाले सैकड़ों और हजारों लोग धीरे-धीरे मारे जाते हैं। यह ऐसी प्रक्रिया है कि न मरनेवाले का पता चलता है और न ही मारनेवाले का! सब काम चुपचाप होता रहता है। हत्यारा तो दो-चार आदमियों को मार देता है लेकिन मिलावटखोर तो दर्जनों हत्यारों का कुकर्म अकेला ही कर देता है। ऐसे ही एक हत्यारे को हरियाणा के पलवल में पुलिस ने रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। वह देसी घी के नाम पर तरह-तरह के रासायनिक पदार्थों को मिलाकर नकली घी बेचता था। वह कई बड़ी-बड़ी कंपनियों का खराब हुआ घी खरीदकर उन्हें सुंदर-सी शीशियों में भरकर भी बेचता था। यह घी छोटे-मोटे दुकानदारों को काफी कम कीमत पर दिया जाता था। वे नकली घी को मंहगे दाम पर बेचकर उससे मुनाफा जमकर कमाते थे। यह घी कई बीमारियां पैदा कर सकता है। हृदय रोग, रक्तचाप और मधुमेह तो यह घी पैदा करता ही है, इससे कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है। किडनी और यकृत को निढाल करने में यह घी विशेष सक्रिय रहता है। गर्भवती महिलाओं के लिए भी यह घी खतरे की घंटी है। घी में मिलावट से उतने लोग प्रभावित नहीं होते, जितने आटे और नमक में मिलावट से होते हैं। आटा और नमक तो गरीब से गरीब आदमी को भी रोज चाहिए। अभी सूरत में ऐसे आटे और नमक के कई प्रसिद्ध ब्रांडो के नमूने पकड़े गए हैं, जिन्हें खाने से तरह-तरह की बीमारियां हो सकती हैं। खाने-पीने की ऐसी सैकड़ों चीजें हैं, जिसमें हर दिन मिलावट होती रहती है। मिलावटी चीजें प्रतिदिन खानेवाले ऐसे करोड़ों लोग हैं, जो अपनी तबियत खराब होने पर ठीक से इलाज भी नहीं करवा सकते।

वेद प्रताप वैदिक

> **यह उथल-पुथल तब तक चलेगी, जब तक एक नया संतुलन नहीं बैठेगा। उसमें हम होंगे या नहीं, यह कोई नहीं कह सकता! हमारे विकास के सभी बुलडोजर उसके सामने तिनके समान भी नहीं होंगे! अगर हम अपने-अपने कुएं के बाहर झांककर नहीं देखेंगे, तो हमें उन्हीं के भीतर दबने से कोई रोक नहीं सकेगा। आज पृथ्वी दिवस पर इतना तो हम याद कर लें। फिर चाहे कल हम अपनी बेटिकट मुसाफिरी में अपने-अपने कुओं में फिर मगन हो जाएं!**

पृथ्वी पर हमारी बेटिकट मुसाफिरी

सोपान जोशी, विज्ञान और पर्यावरण पत्रकार

फर्ज कीजिए कि आप अपना घर-द्वार, मुहल्ला, गांव-शहर छोड़कर अंतरिक्ष यात्रा पर निकले हैं। वैसे 1961 से आज तक लगभग 600 लोग ही अंतरिक्ष यात्रा कर सके हैं, किंतु विचार प्रयोगों की कोई सीमा नहीं होती। अपने अंतरिक्ष यान में आप कवच-कुंडल, यानी विशेष हवाबंद पोशाक पहनकर बैठे हैं, सीट-बेल्ट बंधी हुई है। नीचे एक बड़ा धमाका होता है। घनघोर दबाव में रखा हुआ ईंधन नीचे से उफनता हुआ निकलता है। इसके जलने से इतनी ऊर्जा पैदा होती है कि आपका यान गुरुत्वाकर्षण को ठेंगा दिखाता आकाश में पहुंच जाता है। हो सकता है कि यान की गड़गड़ाहट से ही आप बेहोश हो जाएं, चाहे आप अपने मुहल्ले के या अपने-अपने क्षेत्र के तीसमार खां ही क्यों न हों!

हो सकता है, आप यह मानते हों कि आपका धर्म, आपकी जाति, आपकी भाषा, आपके रिति-रिवाज ही सर्वश्रेष्ठ हैं; आपको यह जन्मसिद्ध अधिकार है कि दूसरे धर्म, दूसरी जातियां, दूसरे विचारों, दूसरी भाषाओं पर बुलडोजर चलाएं। अगर ऊपर से आप अपने घर को देखेंगे, तो आपको हर चीज का आकार छोटा दिखेगा। आपका मुहल्ला, गांव-शहर, राज्य, देश...सब ओझल हो जाएंगे। आपकी किसी पहचान का कोई मूल्य नहीं बचेगा। यह तो पृथ्वी पर भी होता है, चाहे हम ध्यान न दें। नदियां, पर्वत, भूखंड, वायुमंडल, समुद्र... ये मनुष्य की बनाई किसी पहचान की सीमा नहीं मानते। मनुष्य के बनाए किसी धर्म को भी नहीं! सृष्टि के शाश्वस्त धर्म को समझने की कोशिश हर प्राचीन शास्त्रीय परंपरा ने की है। आधुनिक विज्ञान की कई धाराएं भी यह कर ही रही हैं। ज्ञान की हर विधा की सीमा है, चाहे वह पारंपरिक हो या आधुनिक। ब्रह्मांड असीम है।

पृथ्वी सीमित है। उसका दायरा तय है। जितना ऊपर जाते जाएंगे, वायुमंडल छंटता जाएगा। फिर पृथ्वी एक जलमग्न नीली गेंद-सी दिखेगी। यह पानी कहां से आया, ठीक से कोई नहीं कह सकता। इसका अध्ययन करने वाले वैज्ञानिकों का अनुमान है कि जल की हर बूंद तब से पृथ्वी पर है, जब से अंतरिक्ष से आते बर्फीले उल्कापिंड यहां से टकराए थे। दूसरे ग्रहों-उपग्रहों से भी टकराए, किंतु वहां पानी बचा नहीं। कुछ देश अपने अंतरिक्ष कार्यक्रमों के जरिये अंतरिक्ष में पानी ढूंढ़ रहे हैं। जितनी मात्रा में तरल जल पृथ्वी पर है, उतना कहीं अन्य नहीं दिखा। इसी पानी पर हमारा जीवन टिका है।

शायद आपको यह आभास हो कि जिन नदियों का पानी निचोड़कर हम अपना ताबड़तोड़ विकास कर रहे हैं, उसे बनाने की शक्ति आज तक हमारे पास आ नहीं सकी है। कोई पाइपलाइन, कोई नहर पृथ्वी पर बाहर से पानी नहीं ला सकती। जिस पानी को हम बोतलों और टैंकरों में भरकर बेचने लगे हैं, वह पानी दूसरे जीवों से छीनकर हमने लिया है। उसमें हमारा मल-मूत्र बहाकर स्वच्छ होने का अधिकार पृथ्वी ने हमें नहीं दिया है। पानी लूटने की यह औद्योगिक व्यवस्था हमारी सहूलियत के लिए बनी है, जिसके लिए हो सकता है, हम कुछ मोल चुकाते भी हों। यदि इस पानी के बनने की कहानी हम जान लें, तो साफ हो जाएगा कि हम अपने जल स्रोतों का कबाड़ा कर रहे हैं। यह हमें घोर संकट में डाल देगा।

संकट तो आ चुका है। नदियों-तालाबों में सड़ांध है, भूजल का स्तर पाताल की ओर जा रहा है। पानी की किल्लत चारों तरफ है। फिर भी हम अपने तौर-तरीके बदल नहीं रहे। विकास का यह बुलडोजर हमारे समय का सबसे बड़ा धर्म बन चुका है। राजनीति हमें बार-बार यह भरोसा दिलाती है कि आर्थिक विकास असीम है। अगर उससे कुछ बरबादी होती भी है, तो हम विकास का रंग बदलकर 'हरित' बना देंगे, उसे 'सतत' भी कर देंगे। नाम बदलने की राजनीति इसीलिए इतनी चलती है। हमें लगता है कि किसी वस्तु का नाम बदलने से उसका स्वभाव बदल जाता है!

सत्य जब सामने हो, तब उसे नकारने की मनुष्य की क्षमता तो सही में असीमित है! हमें अपना झूठ दूसरों के सच से अधिक स्वीकार्य है। इसीलिए पुराने ज्ञानियों ने 'कूप मंडूक' का विचार रखा था। हम अपने-अपने कुओं को अपने-अपने चश्मे से देखते हैं और उसे ही संपूर्ण ब्रह्मांड मान बैठते हैं।

इसीलिए परमाणु बम की धमकी आजकल सुनने में आ रही है। सावधान! नाभिकीय अस्त्र यह नहीं देखेंगे कि किस भूखंड पर किस राष्ट्र का क्या दावा है। वे आंख पर पट्टी बांधकर बेहिसाब विनाश करेंगे। 1960 के दशक में पर्यावरण आंदोलन के उभरने का एक बड़ा कारण था परमाणु हथियारों का डर और अब तो हमारे सामने परमाणु युद्ध से भी बड़ा खतरा है : जलवायु परिवर्तन। कोयले और पेट्रोलियम को जलाकर जितना विकास पिछले दो सौ साल में हुआ है, उससे हवा में कार्बन-डायऑक्साइड बढ़ रही है। इस गैस की मात्रा हमारे वायुमंडल में 0.04 प्रतिशत ही है, लेकिन इसमें गजब की ताकत है सूरज की गरमी को रोककर पृथ्वी का तापमान बढ़ाने की। जब-जब वायुमंडल में इसकी मात्रा बढ़ी है, तब-तब प्रलय आया है। जब यह एक बारीक संतुलन से नीचे आई है, तब हिमयुग आया है और पृथ्वी जम गई है। विकास का कोयला और पेट्रोलियम जलाकर हम पृथ्वी के उस महीन संतुलन को बदल रहे हैं, जिस पर पूरा जीव-जगत टिका है। असर सामने है। जिन 122 वर्षों के तापमान के आंकड़े हमारे पास हैं, उनमें आज तक इतना गरम मार्च का महीना नहीं रहा। सृष्टि हमारे बनाए शास्त्र या नीति से नहीं चलती, न ही वह हमारी न्याय-व्यवस्था के अधीन है, पर हमारा अस्तित्व उसके बारीक संतुलन पर टिका है।

हमारा ग्रह एक अंतरिक्ष यान है, जो सूर्य की परिक्रमा कर रहा है। इस पर रहने वाले जीव बेटिकट मुसाफिर हैं, क्योंकि हमारे जन्म के समय सृष्टि हमसे कोई प्रवेश शुल्क नहीं लेती। जब विकास का घड़ा भर जाएगा और जीवन के संतुलन को ललकारने लगेगा, तब पृथ्वी को विक्षोभ होगा। यह उथल-पुथल तब तक चलेगी, जब तक एक नया संतुलन नहीं बैठेगा। उसमें हम होंगे या नहीं, यह कोई नहीं कह सकता! हमारे विकास के सभी बुलडोजर उसके सामने तिनके समान भी नहीं होंगे! अगर हम अपने-अपने कुएं के बाहर झांककर नहीं देखेंगे, तो हमें उन्हीं के भीतर दबने से कोई रोक नहीं सकेगा। आज पृथ्वी दिवस पर इतना तो हम याद कर लें। फिर चाहे कल हम अपनी बेटिकट मुसाफिरी में अपने-अपने कुओं में फिर मगन हो जाएं!

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सपना ता कि ज्यादा मानवीय होगी आभासी दुनिया

राहुल मथान, साइबर विशेषज्ञ

ग्रेटफुल डेड नामक रॉकबैंड के लिए गीत लिखने वाले और इलेक्ट्रॉनिक फ्रीडम फाउंडेशन (ईएफएफ) के संस्थापक जॉन पेरी बारलो ने 8 फरवरी, 1996 को अपने 100 दोस्तों को एक ई-मेल भेजा। 'अ डिक्लेरेशन ऑफ द इंडिपेंडेंस ऑफ साइबर स्पेस' यानी साइबर स्पेस की आजादी का घोषणापत्र शीर्षक से भेजे गए इस ई-मेल में कहा गया था कि इंटरनेट पर असल दुनिया के कानून व नियम आयद नहीं होने चाहिए। बारलो की चिंता यह थी कि अमेरिकी सरकार आभासी दुनिया पर वास्तविक दुनिया के जो नियम थोप रही है, वह इसके विकास को कुंद कर देगा। उन्होंने गुजारिश की, 'भविष्य की ओर से, मैं (आभासी दुनिया) अतीत से यह कहना चाहती हूं कि हमें अकेला छोड़ दो। आपका हमारे बीच कोई काम नहीं। जहां हम इकट्ठा होते हैं, वहां आपकी कोई संप्रभुता नहीं है।' तब माना यही गया कि बारलो के इस संदेश ने इंटरनेट की असाधारणता को परिभाषित किया है, यानी इसने एक ऐसी अवधारणा दी है, जो दुनिया भर में इंटरनेट को नियमबद्ध करने के तरीके को प्रभावित करेगी। उनका तर्क था कि साइबर स्पेस एक अलग संप्रभु क्षेत्र है, जिसमें बिना किसी डर के कोई भी दाखिल हो सकता है, अपने विचार रख सकता है।

दूरसंचार सुधार अधिनियम, 1996 के खिलाफ उन्होंने यह ई-मेल लिखा था। यह एक ऐसा कानून था, जो ऑनलाइन के अनियंत्रित प्रसार को रोकने, विशेषकर अश्लील सामग्रियों के प्रसार के संदर्भ में बनाया गया था। बारलो का मानना था कि ऑनलाइन सामग्री को नियंत्रित करने के इस प्रयास को नहीं रोका गया, तो यह इंटरनेट का अस्तित्व ही मिटा देगा। वह लिखते हैं, 'आपका दावा है कि हम में ऐसी कई समस्याएं हैं, जिनका हल आपको करना चाहिए, तो आप अपने इस तर्क का उपयोग दरअसल हमारी सीमा में दाखिल होने के बहाने के रूप में करते हैं। जबकि, इनमें से कई वास्तव में समस्या हैं ही नहीं। जहां टकराव है, जहां गलतियां हैं, हम उनको पहचानेंगे और अपने तरीके से उनका समाधान भी करेंगे। हम अपनी सामाजिक नियमावली खुद बना रहे हैं। यह हमारी दुनिया की परिस्थितियों के अनुसार तय की जाएगी, आपके अनुसार नहीं। हमारी दुनिया अलग है।'

साइबर स्पेस के आत्म-नियंत्रण का यह विचार इंटरनेट के पुरोधाओं को खूब रास आया। उनमें से ज्यादातर हैकर थे, जो मूलत: बौद्धिक रूढ़िवाद के खिलाफ थे। चूंकि उनकी सोच उदार थी, इसलिए उन्होंने मुक्त विचार को प्राथमिकता दी और ऑनलाइन समाज को हर तरह की संकीर्ण सोच वाली सेंसरशिप से बचाना अपना मिशन बना लिया। सामाजिक नियमावली की दिशा में उनका पहला कदम था, अपनी वेबसाइटों की सेवा-शर्तों में इस मकसद को शामिल करना। जाहिर है, यह एक मास्टर स्ट्रोक था। चूंकि सभी की सोच आपस में मिल रही थी, इसलिए ज्यादातर वेबसाइटों की सेवा-शर्तें उदार थीं। जैसे-जैसे इंटरनेट का विस्तार अमेरिका से बाहर विश्व भर में हुआ, वेबसाइट अपने स्थापित उपयोगकताओं को आचरण के समान मानक पर रखने को इच्छुक दिखीं, भले ही भौतिक रूप से 'यूजर' कहीं भी रहते हों। यही कारण है कि दुनिया भर के उपयोगकर्ता आज बड़े पैमाने पर कमोबेश समान नियमों और शर्तों से बंधे हुए हैं। हालांकि, जब इंटरनेट कुछ छोटी व अलग-अलग वेबसाइटों का संग्रह था, तब यह इतना बड़ा मसला नहीं था। पर बाद में कुछ खास प्लेटफॉर्मों के हाथों में इंटरनेट सिमटता चला गया। आज वे हमारी ऑनलाइन गतिविधियों के चौकीदार के रूप में काम करते हैं। और अब तो ये साइबर कंपनियां अपनी सेवा-शर्तों को लागू करने के लिए जो फैसले लेती हैं, उसके दुनिया भर में काफी गंभीर परिणाम हो सकते हैं, बल्कि होते भी हैं।

इसकी बानगी पिछले कुछ वर्षों में दिखी है, जब उदार प्लेटफॉर्म और दक्षिणपंथी हस्तियों के बीच वैचारिक तनाव बढ़ा है। ये हस्तियां अपने पाठक वर्ग तक पहुंचने के लिए इन प्लेटफॉर्म पर ही निर्भर हैं। ये बातें सुर्खियों में तब आईं, जब ट्विटर ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को स्थायी रूप से निलंबित कर दिया। अन्य साइबर मंचों से भी की गई समान कार्रवाई बताती है कि कोई भी (अमेरिका का सर्वेसर्वा भी) इंटरनेट प्लेटफॉर्म की सेवा-शर्तों के उल्लंघन का नतीजा भुगत सकता है। आप यहां कह सकते हैं कि जॉन पेरी बारलो की इच्छाएं पूरी हुईं और साइबर स्पेस काफी हद तक अपने आप में एक नियम है। मगर उनका यह भी मानना था कि अगर इसे अकेला छोड़ दिया जाता है, तो इंटरनेट एक ऐसी वैचारिक सभ्यता को जन्म देगा, जो 'आपकी हुकूमतों की बनाई दुनिया से अधिक मानवीय और निष्पक्ष होगी'। आज जब उस ई-मेल के बाद इंटरनेट ने 25 वर्षों का सफर तय कर लिया है, तो बारलो थोड़े अधिक आशावादी लग सकते हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

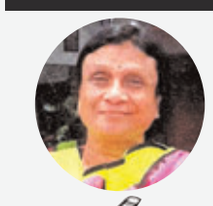

नफरत को प्यार से
जीतना सरल नहीं,
कठिन है छोटी से
जिंदगी का खेल बस,
इतना ही है कभी
खोना, कभी पाना है।

-अंजली जैन
7024460938

राणा अयूब को क्यों मलाला बनाना?

अजीत द्विवेदी

भारत के ज्यादातर पढ़े-लिखे लोग भी राणा अयूब को नहीं जानते हैं। वे अमेरिकी अखबार 'द वाशिंगटन पोस्ट' में कॉलम लिखती हैं और नरेंद्र मोदी सरकार की घोषित आलोचक हैं। ऐसे ही आतिश तासीर को भी देश के ज्यादातर लोग नहीं जानते हैं। वे पत्रकार हैं और तवलीन सिंह के बेटे हैं। तवलीन सिंह भी पत्रकार हैं और कांग्रेस, खासकर सोनिया गांधी परिवार की घनघोर आलोचक हैं। एक जमाने में वे नरेंद्र मोदी की समर्थक रही हैं। इन दिनों वे मोदी सरकार की नीतियों के विरोध में लिखती हैं, इसके बावजूद सोनिया गांधी के परिवार के प्रति उनकी नफरत कम नहीं हुई है। आकार पटेल को भी देश के ज्यादातर लोग नहीं जानते हैं। वे भी स्तंभकार हैं और एमनेस्टी इंडिया के प्रमुख रहे हैं। इन तीन नामों- राणा अयूब, आतिश तासीर और आकार पटेल में क्या समानता है? ये तीनों ऐसे पत्रकार हैं, जिनके खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों ने कार्रवाई की है और उस कार्रवाई की सुर्खियां पूरी दुनिया में बनी हैं। पूरी दुनिया के मीडिया संस्थान और यहां तक की सरकारी व गैर-सरकारी संस्थाएं भी इनके समर्थन में उतरी हैं। इनके खिलाफ हुई कार्रवाई ने दुनिया की नजरों में भारत के लोकतंत्र का मान घटाया है। इन पर हुई कार्रवाई की वजह से दुनिया में यह धारणा बनी है कि भारत एक असहिष्णु और प्रेस की आजादी खत्म करने वाला देश बन गया है।

क्या ये तीनों इतने महत्वपूर्ण हैं या इनके लिखे से सचमुच भारत की सरकार या एक देश के नाते भारत की छवि खराब हो रही थी, जो इनके खिलाफ इतनी शिद्दत से कार्रवाई की गई? ये लोग जो लिख रहे हैं उसे पढ़ने वालों की संख्या बहुत मामूली है और उससे प्रभावित होने वालों की संख्या तो और भी कम है। अगर सरकार यह सोचती है कि इनके लिखने या बोलने से दुनिया में भारत की छवि खराब हो रही है तो यह सरासर गलतफहमी है। किसी भी देश या सरकार के बारे में धारणा किसी पत्रकार या स्तंभकार के लिखने से नहीं बनती है। सरकारों के बारे में धारणा उसके कामकाज से बनती है। राणा अयूब, आतिश तासीर और आकार पटेल के लिखने-बोलने से भारत सरकार की जितनी छवि नहीं खराब हुई उससे ज्यादा खराब इनके ऊपर कार्रवाई करने के काम से हुई है।

राणा अयूब क्या लिखती हैं यह ज्यादातर लोगों को पता नहीं है लेकिन इस बात की चर्चा पूरी दुनिया में हुई कि 'द वाशिंगटन पोस्ट' ने उनके समर्थन में एक पन्ने का विज्ञापन प्रकाशित किया। इस अमेरिकी अखबार ने 'कोएलिशन अगेंस्ट ऑनलाइन वायलेंस' के साथ मिल कर 'वाशिंगटन पोस्ट प्रेस फ्रीडम पार्टनरशिप' के तहत पूरे पन्ने का बयान जारी किया। इसमें कहा गया है, 'तकरीबन हर दिन राणा अयूब को हिंसा और मौत की धमकियां मिलती हैं। वो पक्षपातपूर्ण जांच और ऑनलाइन उत्पीड़न का निशाना बन रही हैं।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे

9827806026, 7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

A quality Digital Photoshop
Laxmi photo studio
Adarsh Nagar, DURG (C.G.)
9039553151, 9993564499
E-mail - laxmistudio2004@gmail.com

NJ
सोने, चांदी के जेवर के विक्रेता
सांखला नवीन ज्वेलर्स
जवाहर चौक, दुर्ग

विनय मेडिकल स्टोर्स
सभी प्रकार के अंग्रेजी और आयुर्वेदिक दवाई के चिल्हर विक्रेता
मो.-9329766891
शॉप नं.-15, महात्मा गांधी मार्केट, अग्रेसन चौक, दुर्ग (छ.ग.)

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

डिम्पी ज्वेलर्स
सजेश भोरकर 9907157053
राकेश भोरकर 9302830835
आजाद चौक, कसारीडीह, दुर्ग (छ.ग.)

लक्ष्मी ज्वेलर्स
कुशल
9770584111
8959994444
स्टेशन रोड, कर्नाटका बैंक के सामने, दुर्ग (छ.ग.)

सुशील म्युजिकल
इलेक्ट्रीक शाही बेन्जो के निर्माता
सभी प्रकार के संगीत वाद्य यंत्र के विक्रेता
स्टेशन रोड, फरिश्ता काम्प्लेक्स के पास, दुर्ग (छ.ग.) - 491001
मो.-9993626855, फो.-07884010027
e-mail-sushilmusical@gmail.com

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

निष्ठा, लगन और हुनर के दम पर जीवन की नई ऊंचाई को छूएंगे युवा - कलेक्टर

राजनांदगांव। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था राजनांदगांव में राष्ट्रीय आप्रेंटिसशिप मेला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर यहां पहुंचकर कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा ने युवाओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देने के साथ प्रेरित किया। उन्होंने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में कहा कि आप में अपार संभावनाएं हैं। युवा शक्ति किसी भी देश की राष्ट्र शक्ति होती है। उन्होंने कहा कि अभी तक आपने बहुत सी चीजें सीखी हैं। उन्हें व्यावहारिक रूप से निखारने का अवसर मिलने जा रहा है। इसके माध्यम से आप जीवन की नई चुनौती को सीख पाएंगे। अपने निष्ठा, लगन और हुनर के दम पर जीवन की नई ऊंचाई को छूएंगे। उन्होंने कहा कि दुनिया में अनेक सफल व्यक्ति छोटे मुकाम से शुरू कर सफलता की उड़ान भरे हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी लक्ष्य को कड़ी मेहनत लगन के आधार पर हासिल किया जा सकता है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अप्रेंटिसशिप से जीवन में नई ऊंचाई में पहुंचने का मौका मिलेगा। आप सभी इसका भरपूर फायदा लें और अपनी मंजिल प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा युवाओं के विकास के लिए अनेक योजना संचालित की जा रही है। जिसके दम पर युवा अपनी कौशल को और निखार पा रहे हैं। आप अपनी प्रतिभा को निखार कर अपने सपने को साकार करें। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी लोकेश चंद्राकर ने कहा कि यह अवसर आपको आपका भविष्य निर्धारण करने का अवसर प्रदान करेगा। अभी तक आपने जिस क्षमता के साथ अपने कौशल का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। उस आधार पर आपको विभिन्न उद्योगों के माध्यम से और प्रवीण होने का अवसर प्रदान करेगा। इससे आपको विभिन्न औद्योगिक क्षेत्र में सेवा करने का अवसर मिलेगा। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य में आज सात स्थानों पर राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप का आयोजन किया जा रहा है । वहीं पूरे भारत में आज 700 स्थानों पर राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें अनेक औद्योगिक संस्थाओं द्वारा युवाओं को अपने संस्थान में अप्रेंटिस करने का अवसर मुहैया कराया जायेगा। जिसके आधार पर युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे।

लोक कलाओं और आदिवासियों की समृद्ध संस्कृति को दें बढ़ावा : राज्यपाल सुश्री उइके

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल ने तीन दिवसीय रामन लोक कला महोत्सव का किया शुभारंभराज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने गत दिवस बिलासपुर के कोटा में स्थित डॉ सी.वी. रमन विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित तीन दिवसीय रामन लोककला महोत्सव का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि की आसन्दी से कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सुश्री उइके ने कहा कि आदिवासी कला एवं संस्कृति से छत्तीसगढ़ की विशिष्ट पहचान है। लोक कला महोत्सव के आयोजन से छत्तीसगढ़ की विविध लोक कलाओं और संस्कृतियों को मंच मिलता है।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि डॉ सी वी रामन विश्वविद्यालय ऐसे आयोजनों के माध्यम से आदिवासी कला संस्कृति, साहित्य, परंपराओं को बड़ा मंच दे रहा है और ऐसे आयोजन से ही वह विश्व पटल पर अपना स्थान पहचान बना सकेंगे। उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि आज देश-विदेश में आदिवासी संस्कृति को स्वीकार किया जाता है। वैश्विक स्तर पर आदिवासी संस्कृति की एक अलग पहचान बन चुकी है। उन्होंने कहा विश्व स्तरीय आदिवासी महोत्सव जैसे आयोजनों से पूरी दुनिया में छत्तीसगढ़ संस्कृति की महक फैल गई है द्य छत्तीसगढ़ संस्कृति की महक हर किसी को आकर्षित करती है। छत्तीसगढ़ का संगीत मधुर और हृदय को छू लेने वाला है,जिससे हर व्यक्ति मंत्रमुग्ध हो जाता है। यहां के आदिवासी बहुत ही भोले-भाले हैं, छल कपट से हमेशा दूर रहते हैं। ऐसे समाज के उत्थान के लिए, उन्हें मंच प्रदान करने के लिए, उन्हें वैश्विक स्तर तक स्थापित करने के लिए डॉ. सी. वी. रामन विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित लोक कला महोत्सव एक सराहनीय पहल है।

सुश्री उइके ने छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से आये लोक कलाकारों के नृत्य का भी आनंद लिया। तमनार से आए जनकराम और साथियों ने कर्मा नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में कोंडागांव के कलाकारों ने ककसाड़ नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम में सुश्री उइके ने विज्ञान और नवाचार पर आधारित पुस्तक विज्ञान कथा कोष का भी विमोचन किया।सुश्री उइके ने कहा कि छत्तीसगढ़ में बस्तर एवं सरगुजा संभाग में भी केंद्रीय आदिवासी विश्वविद्यालय होना चाहिये ताकि छत्तीसगढ़ के आदिवासी समुदाय भी उच्च शिक्षा प्राप्त कर, विकास की मुख्यधारा से जुड़ सकें और राष्ट्रीय स्तर पर अपना योगदान दे सकें।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में खेल अकादमी के जरिए विभिन्न खेलों के साथ परम्परागत खेलों को भी बढ़ावा दिया जाना चाहिए। आदिवासियों की समृद्ध संस्कृति को दें बढ़ावइस समारोह के अवसर पर बिलासपुर सांसद अरुण साव, लोरमी विधायक धर्मजीत सिंह, सी.वी. रमन विश्वविद्यालय के कुलाधिपति संतोष चौबे. कुलसचिव गौरव शुक्ला, विश्वविद्यालय के अध्यापकगण सहित अन्य अधिकारी एवं छात्र-छात्रायें मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने किया इंटेलेच्कुअल डिसेबिलिटी किताब का विमोचन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शाम यहां अपने निवास कार्यालय में डॉ मीता मुखर्जी की किताब इंटेलेक्चुअल डिसेबिलिटी का विमोचन किया। डॉ मीता मुखर्जी ने मुख्यमंत्री को बताया कि उन्होंने इस किताब के जरिए दिव्यांग बच्चों की देखभाल और शिक्षण प्रशिक्षण के अपने अनुभवों को साझा किया है। यह किताब दिव्यांग बच्चों के माता-पिता और इस क्षेत्र में कार्य कर रहे लोगों के लिए उपयोगी रहेगी। किताब में कुछ बच्चों के केस स्टडी को भी शामिल किया गया है, जिससे ऐसे माता-पिता एवं अविभावकों को बेहतर मार्गदर्शन मिल सकेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि वे रायपुर में दिव्यांग बच्चों के शिक्षण और विकास से जुड़ी संस्था पीयाली फाउंडेशन का संचालन करती हैं। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने डॉ मीता मुखर्जी को इंटेलेक्चुअल डिसेबिलिटी किताब के प्रकाशन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर श्री राजकुमार चौधरी, सुश्री प्रोनती मुखर्जी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ प्रेमसाय सिंह टेकाम ने किया परीक्षा केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, सचिव छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल वी.के. गोयल एवं जिला शिक्षा अधिकारी ए.एन. बंजारा ने विभिन्न स्कूलों का औचक निरीक्षण किया।

छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल परीक्षा के अंतर्गत आयोजित कक्षा 10वीं के गणित विषय की परीक्षा के दौरान शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मोवा एवं स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, माना कैम्प परीक्षा केन्द्रो का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मोवा में शिक्षा मंत्री जी ने कक्षा 6वीं, 7वीं एवं 8वीं के विद्यार्थियो के एन्डलाईन सर्वे का भी निरीक्षण किया। विद्यार्थियों से पढ़ाई एवं दैनिक दिनचर्या के संबंध में चर्चा की गयी।मंत्री द्वारा विद्यार्थियों से अंग्रेजी वर्णमाला एवं गणित के प्रश्न भी पूछे गये। जिनका विद्यार्थियों द्वारा उत्साहपूर्वक उत्तर दिया गया। कक्षा 6वीं के एक छात्र द्वारा 12 का पहाड़ा सुनाने एवं छात्राओं द्वारा कविता का वाचन करने पर शिक्षामंत्री द्वारा विद्यार्थियों को पारितोषिक प्रदान कर विद्यार्थियों को उत्साहवर्धन किया गया। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मोवा एवं स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, माना कैम्प में निरीक्षण के दौरान परीक्षा शांतिपूर्वक संचालित हो रही थी एवं किसी प्रकार का नकल प्रकरण नहीं पाया गया।

जहां पानी का संकट वहां लगेगा स्टैंड पोस्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। रिसाली निगम क्षेत्र के पेयजल संकट वाले वार्डों में राहत पहुंचाने आयुक्त आशीष देवांगन दो घंटे से भी अधिक समय तक अधिकारियों के साथ मंत्रणा की। उन्होंने निर्देश दिए अत्यधीक प्रभावित क्षेत्र में ऐसे स्थानों पर स्टैंड पोस्ट लगाया जाए जहां पर टैंकर पहुंचना संभव नहीं है। आयुक्त इसके लिए अधिकारियों को स्थल निरीक्षण करने कहा।

अप्रैल माह में तेज तपिश की वजह से पेयजल संकट गहराने लगा है। स्टेशन मरोदा के 4 वार्डों और नेवई क्षेत्र में पेयजल समस्या बढ़ते जा रही है। मॉर्निंग विजिट के बाद आयुक्त ने पेयजल संकट को दूर करने अतिरिक्त लाइन विस्तार कर स्टैंड पोस्ट लगाने निर्देश दिए है। आयुक्त ने स्पष्ट किया कि कम से कम नागरिकों

को पेयजल उपलब्ध हो। खास बात यह है कि वार्ड पार्षद भी वर्तमान में पेयजल समस्या को प्राथमिकता के आधार पर दूर करने लगातार अधिकारियों से संपर्क कर रहे है।

निगम क्षेत्र में स्वच्छता को लेकर कवायद की जा रही है। गुरूवार को आयुक्त आशीष देवांगन ने जनस्वास्थ्य विभाग के प्रभारी अधिकारी के साथ चर्चा करते निर्देश दिए कि निगम के सभी वार्डों में 6-6 स्वच्छता मित्र की ड्यूटी लगाई जाए। वार्ड पार्षद के नेतृत्व में रूटिन कार्य करने के साथ ही प्राथमिकता के आधार पर सफाई कार्य पूर्ण किया जाए। वहीं अब स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी सीधे पार्षद से फीडबैक भी लेंगे। इस पूरे कार्य की समीक्षा आयुक्त स्वयं मॉर्निंग विजिट के तहत करेंगे।

व्यवस्थाओं का जायजा लेने आयुक्त व कार्यपालन अभियंता सुशील बाबर डुंडेरा व जोरातराई क्षेत्र का भ्रमण किया। इस दौरान आयुक्त ने रामनगर डुंडेरा क्षेत्र समेत नहर किनारे बसे आबादी का भ्रमण किया। आयुक्त ने पानी निकासी के संसाधन को दुरूस्त कराने के साथ ही खाली जगह पर विकास कार्य के लिए प्लान तैयार करने के निर्देश दिए है। भ्रमण के दौरान वार्ड पार्ष खिलेन्द्र चंद्राकर व हरिशचंद्र मौजूद थे।

एस.आर. अस्पताल के चेयरमैन संजय तिवारी द्वारा बुके देकर किया गया खैरागढ़ विधायक का सम्मान

सी.एस.सी. खैरागढ़ में एस.आर. अस्पताल दुर्ग द्वारा फ्री मेडिकल कैंप का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खैरागढ़ में दिनांक 21अप्रैल 2022 को नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। राजनांदगांव के जिलाधीश के निर्देश पर राजनांदगांव के संपूर्ण 9 ब्लॉक में नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया । जिसमें अंतिम दिन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खैरागढ़ में विशाल नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया ।

नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में एस.आर. हॉस्पिटल चिखली दुर्ग के डॉ एवं उनकी टीम द्वारा अपनी सेवाएं नि:शुल्क प्रदान की गई । नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में लगभग 400 मरीजों ने स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती यशोदा वर्मा नवनिर्वाचित विधायक खैरागढ़ रही । कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमान शैलेश वर्मा नगर पालिका अध्यक्ष खैरागढ़ ने की ।विशेष अतिथि के रुप में

एस.आर. अस्पताल के चेयरमैन संजय तिवारी नगरपालिका उपाध्यक्ष अब्दुल रज्जाक खान जनपद अध्यक्ष श्रीमती लीला मंडावी एवं मुरली वर्मा उपस्थित थे । डॉ मिथिलेश चौधरी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी राजनांदगांव द्वारा पूरे अस्पताल का निरीक्षण किया गया एवं को मेडिकल कैंप के संदर्भ में निर्देश भी प्रदान किए गए।

कैंप के बारे में जानकारी देते हुए ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ विवेक बिसेन ने बताया कि जिलाधीश महोदय राजनांदगांव एवं श्रीमान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी राजनांदगांव के द्वारा प्राप्त निर्देशों का पालन करते हुए नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। मेडिकल कैंप में दवाइयां खून पेशाब जांच एक्स-रे व अन्य सुविधाएं नि:शुल्क प्रदान की गई ।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खैरागढ़ के वरिष्ठ चिकित्सक पी.एस. परिहार ने जानकारी देते हुए बताया कि यह आयोजन पूर्णत: सफल रहा रहा । क्षेत्र के विधायक श्रीमती यशोदा वर्मा द्वारा संपूर्ण अस्पताल का निरीक्षण किया गया विधायक द्वारा सफल आयोजन के लिए समस्त डॉक्टरों को बधाई दी गई। डॉ मिथिलेश चौधरी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी राजनांदगांव द्वारा अस्पताल के डॉक्टर एवं अन्य स्टाफ को मेडिकल कैंप के संदर्भ में निर्देश भी प्रदान किए गए द्य एस.आर. अस्पताल के चेयरमैन संजय तिवारी द्वारा डॉ मिथिलेश चौधरी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी राजनांदगांव का स्वागत बुके देकर किया गया। उक्त मेडिकल कैंप में बी.एम.ओ. डॉ विवेक बिसेन डॉ. पी.एस. परिहार ,डॉ पंकज वैष्णव ,डॉ पी. पी. वैष्णव, डॉ संदीप भास्कर, डॉ हर्षा मुकुंद ने अपनी सेवाएं प्रदान की। वही एस.आर. अस्पताल चिखली दुर्ग के डॉ सुशांत कान्डे एम.डी मेडिसिन डॉ पवन देशमुख क्रिटिकल केयर मैनेजमेंट डॉ दीपक सिन्हा अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ विभूति लांजेवर डॉ रोमिला राज फिजियोथैरेपिस्ट डॉ हीना फिजियोथैरेपिस्ट एवं हाईटेक अस्पताल दुर्ग से डॉ अर्पणा स्त्री व प्रसूति रोग विशेषज्ञ लाल बहादुर चंद्राकर अमित द्विवेदी जे.एन. पांडे ,विमलेश द्विवेदी ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

एसएमएस-2 के कार्मिक कर्म शिरोमणी पुरस्कार से हुए सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र के एसएमएस–2 में कर्म षिरोमणी सम्मान समारोह का आयोजन मुख्य महाप्रबंधक (एसएमएस–2) सुशील कुमार के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि ने अपने उदबोधन में कहा कि एसएमएस–2 के हमारे कर्मचारियों में इनोवेटिव आइडिया भरी हुई हैं।

एसएमएस-2 ने इन कार्मिकों के लगन, मेहनत, तत्परता एवं समर्पण से अनेक कीर्तिमान स्थापित किये हैं। हमारे कर्मचारी अपनी उत्कृष्ट कार्य संस्कृति से चुनौतियों को अवसर में बदलने का हौसला रखते हैं। इसी कड़ी में हमारे श्रमवीरों द्वारा अपने कार्य दक्षता से उतरोत्तर रिकॉर्ड पे रिकॉर्ड बनाये जा रहे हैं। हमें और भी नई ऊंचाईयों को छूना है। इसके लिए आप सभी सक्षम हैं। आप को नये लक्ष्य लेकर उसे हासिल कर फिर से नया लक्ष्य लेना है, यह क्रम अनवरत जारी रखना है।

विषिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित महाप्रबंधक (एसएम एस-2) सुधीर कुमार ने सुरक्षा, हाउस कीपिंग पर अपने विचार व्यक्त किये।

विषेष अतिथि के रूप में उपस्थित महाप्रबंधक (एसएम एस-2) योगेश शास्त्री ने कार्यक्षेत्र में स्वच्छता, सुरक्षा स्वास्थ्य पर विचार व्यक्त किये। कर्म षिरोमणी सम्मान प्राप्त करने वाले श्रमवीरों में दीपक कुमार शाह, एसीटी (ऑपरेशन) अर्जुन सिंह गढवाल, ओसीटी (एसबीएस) श्री सुरेश प्रसाद, मास्टर ऑपरेटिव (एसबीएस), नरेन्द्र बन गोस्वामी, ओसीटी कन्वर्टर शॉप (मेकेनिकल) सोमन सिंह कोरपे (सीसीएस-प्रचालन) गणेश राम पूरबिया, (सीसीएस-ऑपरेशन) राम नरेश सिंह मास्टर ऑपरेटिव (एलपीबे) चंद्रमा प्रसाद, कन्वर्टर शॉप (विद्युत) ओंकार सिंह, (सीसीएस ऑपरेशन) शामिल है। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रबंधक (कार्मिक-स्टील जोन-2) विजय कुमार ने किया तथा कार्यक्रम को सफल बनाने में के डी बघेल अतिरिक्त श्रमकल्याण अधिकारी, श्रीमती कल्याणी साहू, नरेंद्र कुर्रे, ने अपना योगदान दिया।

RKMG
COMMUNITY
Chhattisgarh: India
We are looking for 15 franchisees in Chhattisgarh for RKMG Community
RKMG Community is in the following business :
1. Advertising.
2. E-Commerce (Selling Products and Services to Our Customers to Solve their problems).
3. Advance technology driven job portal.
4. India's First Social and Professional Media Platform.
5. Giving Franchisee (Helping Indians to earn regularincome through this Model).
6. It's a franchisee and not MLM
Rs. 5000 + GST Franchisee
Please search RKMG Community on any search engine for your understanding.
Pradeep Kumar
Mob. 7828463843, 9424121355

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

तकिया 2 पीस 100/-, 150/-
तकिया फाईबर 2 पीस 250/-, 350/-, 500/-
कुशन 5 सैट 500/-, 600/-, 800/-
लोड फाईबर सैट 500/-, 600/-, 700/-
गद्दा कव्हर सिंगल 150/- चालू
गद्दा कव्हर डबल 300/- चालू
वाटर प्रूफ गद्दा कव्हर डबल 999/-

संजय रुई भंडार
पंडरी मेन रोड, रायपुर
7987081626, 7987918262

खास खबर

शासकीय विभागों में वाहन खरीदी अब जेम पोर्टल से

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन भंडार क्रय नियम 2002 तथा ई मानक पोर्टल में शासकीय वाहनों की खरीदी के लिए वर्तमान में व्यवस्था उपलब्ध नहीं होने के कारण जेम पोर्टल से वाहन क्रय करने के संबंध में निर्देश जारी किया गया है। छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य एवं उद्योग विभाग से इस संबंध में सभी विभागाध्यक्ष, संभाग आयुक्त, कलेक्टर एवं जिला पंचायत के सभी मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को पत्र जारी किया गया है। जारी पत्र के अनुसार वाहन क्रय की अनुमति वित्त विभाग से प्राप्त करना होगा। साथ ही विभागीय स्तर पर सक्षम अनुमोदन प्राप्त कर जेम पोर्टल से वाहन क्रय की कार्यवाही की जाएगी। वित्तीय वर्ष 2021-22 में किए गए वाहन क्रय का कार्योत्तर अनुमोदन तथा वित्तीय वर्ष 2022-23 में आगामी व्यवस्था होने तक यह व्यवस्था लागू रहेगी।

शिक्षकों के लिए भी 24 अप्रैल से ग्रीष्मावकाश

रायपुर। प्रदेश में संचालित स्कूलों के शिक्षकों को भी ग्रीष्मावकाश मिलेगा। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आज इस संबंध जारी आदेश में कहा गया है कि राज्य शासन ने भीषण गर्मी को दृष्टिगत रखते हुए सभी स्कूलों में ग्रीष्मावकाश संबंधी संशोधित आदेश जारी किया है। यह अवकाश सभी शासकीय शिक्षकों के लिए भी लागू होगा। ग्रीष्मावकाश की अवधि में शिक्षकों के प्रशिक्षण और स्कूलों की प्रशासनिक गतिविधियां यथावत संचालित रहेंगी। उल्लेखनीय है कि स्कूल शिक्षा विभाग ने 20 अप्रैल को राज्य के सभी शासकीय एवं निजी स्कूलों में 24 अप्रैल से 14 जून तक ग्रीष्मावकाश देने का आदेश जारी किया था। इस आदेश में कहा है कि स्कूलों में कुछ विषयों में एण्डलाइन असेंसमेंट 25 अप्रैल को किया जाना है, उन विषयों में जो विद्यार्थी स्वेच्छा से स्कूल जाना चाहते हैं उनका एण्ड लाइन असेंसमेंट निर्धारित तिथि को किया जाएगा। इसके पश्चात् अगले शिक्षा सत्र के लिए स्कूल 15 जून से खुलेंगे।

निर्माण श्रमिकों के बच्चो के लिए नौनिहाल छात्रवृति योजना

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के श्रम विभाग के अंतर्गत छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा संचालित नौनिहाल छात्रवृति योजना के तहत पंजीकृत निर्माण कार्यो में लगें श्रमिकों के प्रथम दो बच्चों को कक्षा एक से लेकर स्नातकोत्तर तक के वार्षिक छात्रवृति प्रदान की जाती है। श्रम विभाग द्वारा नौनिहाल छात्रवृति योजना के तहत कक्षा पहली से पांचवी तक के छात्र को एक हजार एवं छात्रा को एक हजार पांच सौ रूपये, कक्षा 6 से 8 तक के लिए छात्र को एक हजार पांच सौ, छात्राओं दो हजार रूपये, और कक्षा 9 से 12 के छात्र को दो हजार और छात्राओं को तीन हजार रूपये की वार्षिक छात्रवृति प्रदान की जानी है। स्नातक स्तर तक छात्र को तीन हजार और छात्रा को 6 हजार रूपये, स्नातकोत्तर के छात्र को 5 हजार और छात्रों को 6 हजार रूपये वार्षिक छात्रवृति प्रदान की जानी है। इसी तरह से निर्माण श्रमिकों के व्यवसायिक पाठयक्रम के स्नातक के छात्र को 6 हजार और छात्रा को 8 हजार रूपये, छात्रवृति प्रदान की जानी है।

मुख्यमंत्री बघेल के आग्रह पर केन्द्रीय मंत्री गडकरी द्वारा छत्तीसगढ़ को आरओबी के लिए 700 करोड़ रूपए देने की घोषणा

छत्तीसगढ़ विकास की दौड़ में लगातार आगेः नितिन गडकरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने आज छत्तीसगढ़ में 9240 करोड़ रूपए लागत की कुल 1017 किलोमीटर लम्बाई की 33 सड़क परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। यह समारोह राजधानी रायपुर के पंडित जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल मेडिकल कॉलेज में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय भारत सरकार तथा भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा आयोजित किया गया।

श्री बघेल ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर जन सामान्य को सुगम एवं सुरक्षित आवागमन सुविधा उपलब्ध कराने की दृष्टि से राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 30, रायपुर से धमतरी फोरलेन का निर्माण कार्य के तहत राज्य सरकार द्वारा पूर्ण किए गए। रायपुर से शदाणी दरबार तक 10 किलोमीटर हिस्से में सर्विस रोड की स्वीकृति प्रदान करने, रायपुर शहर में टाटीबंध चौक से मैगनेटो मॉल के बीच फ्लाई ओवर निर्माण, राष्ट्रीय राजमार्ग 30 में ग्राम धनेली से विधानसभा, बलौदाबाजार होते हुए सारंगढ़ की ओर जाने वाले मार्ग को एन.एच.53 से जोड़ने तथा विधानसभा से जोरा (एन.एच.53) के इस भाग को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने का आग्रह करते हुए कहा कि इससे बिलासपुर से नवा रायपुर, महासमुंद, संबलपुर की ओर जाने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग उपलब्ध हो जाएगा। मुख्यमंत्री बघेल ने राम वन गमन पथ लंबाई 1000 किलोमीटर को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने, चंद्रपुर-खरसिया-पत्थलगांव मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने, कुम्हारी-भिलाई बायपास लंबाई 23 किलोमीटर को राष्ट्रीय राजमार्ग, बरदुला-नगरी-कांकेर-संबलपुर-मानपुर मार्ग, लंबाई 195 किलोमीटर को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय राजमार्गों की कुल लंबाई 3525 किलोमीटर है। इसमें से 2447 किलोमीटर का लोक निर्माण विभाग तथा 1078 किलोमीटर का एन.एच.ए.आई द्वारा संधारण एवं निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने चांपा-उरगा-कोरबा मार्ग निर्माण, पाली-कटघोरा मार्ग निर्माण, मुंगेली-पोण्डी मार्ग, झलमला-शेरपार-मानपुर मार्ग, अभनपुर-पोण्ड मार्ग, मदांगमुड़ा से देवभोग मार्ग के निर्माण की स्वीकृति देने तथा भारत माला एवं इकोनोमिक कॉरीडोर योजना के अंतर्गत रायपुर-विशाखापटनम मार्ग, बिलासपुर-उरगा-पत्थलगांव मार्ग, चांपा-कोरबा मार्ग को शामिल करने पर केन्द्रीय मंत्री श्री गडकरी को धन्यवाद दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग की परियोजनाओं में राज्य सरकार का मुख्यत: भू-अर्जन, वन भूमि व्यपवर्तन, यूटिलिटि शिफ्टिंग के कार्यों का दायित्व रहता है, इन सभी कार्यों को समय से पूरा कराने के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हाई पावर कमेटी गठित की गई है, जिसके द्वारा हर महीने कार्यो की प्रगति की समीक्षा की जाती है। ताकि एन.एच. की परियोजनाएं समय से पूर्ण हो सकें। उन्होंने यह भी बताया कि वर्ष 2022-23 के एनुवल प्लान में राष्ट्रीय राजमार्गों के कार्यों के लिए लोक निर्माण विभाग द्वारा 2100 करोड़ रुपए का एनुवल प्लान प्रस्तुत किया गया है।

केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ लगातार विकास की दौड़ में आगे बढ़ रहा है। अच्छी सड़के किसी भी देश और राज्य की समृद्धि और सम्पन्नता का आधार होती हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के आग्रह पर छत्तीसगढ़ में आरओबी निर्माण के लिए 300 करोड़ रुपये देने की घोषणा करते हुए कहा कि इसके अतिरिक्त आरओबी के लिए वर्ष 2022-23 में छत्तीसगढ़ को 400 करोड़ रुपये देंगे। इस तरह छत्तीसगढ़ में आरओबी के लिए कुल 700 करोड़ रूपए मिलेंगे। उन्होंने बताया कि आरंग पचेरा के पास 200 एकड़ में लॉजिस्टिक पार्क विकसित करने की योजना बनाई गई है। श्री गडकरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में आयरन और सीमेंट के 118 उद्योग हैं। लॉजिस्टिक सुविधा विकसित होने से उद्योगों का विकास होगा और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। उन्होंने एन.एच. के करीब लॉजिस्टिक सुविधा उपलब्ध कराने का प्रस्ताव राज्य सरकार को दिया। उन्होंने छत्तीसगढ़ को अपने विभाग की ओर से हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।

केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि यदि एनएच की स्वीकृति और निर्माणाधीन विभिन्न सड़क परियोजनाओं के लिए भू-अर्जन और वन क्षेत्रों में अनुमति देने का काम शीघ्रता से किया जाता है, तो छत्तीसगढ़ में वर्ष 2024 तक लगभग एक लाख करोड़ रूपए की सड़कों का निर्माण होगा। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले 5 वर्षों में छत्तीसगढ़ में अमेरिका जैसी सड़कें होंगी। उन्होंने बताया कि केन्द्र सरकार ने एथेनॉल के पंप खोलने की अनुमति दी है। एथेनॉल भविष्य का फ्यूल है। छत्तीसगढ़ में चावल और पैरे से ऐथॉनाल उत्पादन की अच्छी संभावना है। एथेनॉल का उत्पादन होने से किसान अन्नदाता के साथ-साथ ऊर्जादाता भी बनेगा। श्री गडकरी ने रायपुर-विशाखापट्टनम मार्ग का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत माला परियोजना इकोनॉमिक कारीडोर योजना के तहत स्वीकृत इस सड़क परियोजना का कार्य प्रारंभ हो चुका है। आने वाले समय में यह मार्ग छत्तीसगढ़ के विकास का पथ साबित होगा। उन्होंने कहा कि लगभग 16 हजार करोड़ रूपए की लागत की इस परियोजना से रायपुर-विशाखापट्टनम के बीच 200 किलोमीटर कम होगी। इस सड़क के बनने से छत्तीसगढ़ की एक अच्छे बंदरगाह से कनेक्टीविटी हो सकेगी और छत्तीसगढ़ का खनिज देश-दुनिया के विभिन्न हिस्सों में सुगमतापूर्वक पहुंच सकेगा। श्री गडकरी ने छत्तीसगढ़ की विभिन्न सड़क परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी भी समारोह में दी।

समारोह को छत्तीसगढ़ के गृह एवं लोक निर्माण मंत्री ताम्रध्वज साहू, नेताप्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल, सांसद सर्वश्री सुनिल सोनी, संतोष पाण्डेय और अरूण साव, पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह सहित अनेक विधायक और जनप्रतिनिधि तथा प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित थे। छत्तीसगढ़ लोक निर्माण विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी ने स्वागत भाषण दिया।

केन्द्रीय मंत्री ने भारत माला परियोजना-2 में स्वीकृति का दिया आश्वासन

इन सड़कों के बनने से छत्तीसगढ़ के पड़ोसी राज्यों उड़ीसा, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, झारखंड, उत्तर प्रदेश से कनेक्टिविटी ज्यादा अच्छी हो जाएगी। प्रदेश के पिछड़े क्षेत्र के लिए सुचारू रोड नेटवर्क विकसित होगा। इससे ईंधन, यात्रा समय, दूरी और कुल परिवहन लागत में बचत होगी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने समारोह में केन्द्रीय मंत्री गडकरी से छत्तीसगढ़ की विभिन्न सड़क परियोजनाओं की स्वीकृति देने का आग्रह किया। जिस पर गडकरी ने अधिकांश परियोजनाओं को स्वीकृति देने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री बघेल ने छत्तीसगढ़ की सड़क परियोजनाओं को सहृदयता पूर्वक स्वीकृति प्रदान करने के लिए नितिन गडकरी के प्रति आभार प्रकट किया। मुख्यमंत्री बघेल ने कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के तीन मार्गो- रायगढ़-घरघोड़ा-धरमजयगढ़- पत्थल गांव मार्ग, लंबाई 75 किलोमीटर, अंबिकापुर-वाड्रफनगर-बम्हनी-रेनकूट-बनारस मार्ग, लंबाई 110.60 किलोमीटर, पंडरिया-बजाग-गाड़ासरई मार्ग, लंबाई 37 किलोमीटर को भारत माला परियोजना के तहत स्वीकृति प्रदान करने का आग्रह किया, जिस पर केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने इन सड़कों को भारत माला परियोजना-2 में शामिल करने का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने लू से बचने आवश्यक उपाय करने के दिए निर्देश

स्वास्थ्य विभाग समेत अन्य विभागों को ठोस उपाय अपनाने कहा

मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद विभिन्न विभागों ने जारी किए दिशा-निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बढ़ती गर्मी के बीच लू जैसी गर्म हवाएं चलने लगी हैं। मौसम विभाग ने भी आगामी 24 घंटे के लिए भीषण ग्रीष्म लहर चलने की चेतावनी जारी की है। ऐसे में संवेदनशील मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने लू से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग समेत विभिन्न विभागों को आवश्यक उपाय अपनाने के लिए निर्देश दिए हैं। उन्होंने ग्रीष्म लहर से नागरिकों को बचाने के लिए सभी आवश्यक प्रयास करने को कहा है। वहीं सार्वजनिक स्थानों पर छायादार शेड, शीतल पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर तत्काल सक्रियता दिखाते हुए आज शाम तक राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग समेत विभिन्न विभागों ने मातहत कार्यालयों के लिए दिशा-निर्देश भी जारी कर दिए।

मुख्यमंत्री बघेल ने मौसम विभाग की चेतावनी और प्रदेश में बढ़ती गर्मी को देखते हुए लू को लेकर चिंता जताई है। ऐसी स्थिति में जनसामान्य के स्वास्थ्य पर लू के प्रभाव को देखते हुए लू से बचाव के आवश्यक उपाय करने के लिए कहा गया है। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार विभिन्न विभागों ने मातहत विभागों को दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। जारी दिशा-निर्देश के मुताबिक मौसम विभाग की ओर से जारी की जाने वाली बुलेटिन को प्रतिदिन समाचार-पत्रों, टीवी न्यूज चैनलों एवं अन्य संचार माध्यमों से लोगों तक पहुंचाने के लिए कहा गया है। वहीं सावधानियों से संबंधित प्रचार-प्रसार होर्डिंग व अन्य माध्यमों से करने के लिए निर्देशित किया गया है। सभी सार्वजनिक स्थलों पर छायादार शेड, शीतल पेयजल की व्यवस्था, ओ.आर.एस. व ग्लूकोस की व्यवस्था, फर्स्ट एड बॉक्स (प्राथमिक चिकित्सा उपकरण) की उपलब्धता, आवश्यक दवाइयों का भंडार, वॉलेंटियर की तैनाती आदि के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। वहीं वन्य जीवों, पशु-पक्षियों के लिए भी पीने के पानी की व्यवस्था, वन-अग्नि को रोकने के लिए आवश्यक उपाय, सार्वजनिक स्थलों पर वृक्षारोपण एवं पशुपालकों को लू के प्रभाव से बचाने जनजारूकता कार्यक्रम चलाने के लिए निर्देशित किया गया है।

रायपुर में देश के प्रख्यात साहित्यकारों का हुआ संगम

जनजातीय साहित्य एवं संस्कृति पर हुआ गहन मंथन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में राष्ट्रीय जनजातीय साहित्य महोत्सव, राज्य स्तरीय जनजाति नृत्य महोत्सव एवं राज्य स्तरीय जनजाति कला एवं चित्रकला प्रतियोगिता के तीन दिवसीय कार्यक्रम का समापन आज 21 अप्रैल को हुआ। इसका आयोजन भारत सरकार, जनजातीय कार्य मंत्रालय एवं आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के सहयोग से किया गया। आयोजन के दौरान विविध कार्यक्रमों के साथ-साथ देश के प्रख्यात साहित्यकारों ने जनजातीय साहित्य और संस्कृति पर गहन विचार-विमर्श किया गया। गौरतलब है कि इस आयोजन का शुभारंभ मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 19 अप्रैल को किया था। आज इसका समापन राज्यपाल सुश्री अनुसइया उईके की गरिमामय उपस्थिति में हुआ। शिक्षा एवं आदिम जाति कल्याण मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम के निर्देशानुसार एवं सचिव, डीडी सिंह तथा आयुक्त सह संचालक शम्मी आबिदी के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में यह तीन दिवसीय कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित हुए।

वाचिक परम्परा ही आदिवासी का जिन्दा साहित्य हैंः पदमश्री डॉ. दमयंती बेसरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय जनजातीय साहित्य महोत्सव के दूसरे दिन आज प्रख्यात साहित्यकारों द्वारा अपने विचारों का आदान-प्रदान किया गया।

उल्लेखनीय है कि साहित्य परिचर्चा के अंतर्गत देश के प्रख्यात साहित्यकार शामिल हो रहे हैं। जिनमें द्वितीय दिवस में कुल 33 प्रतिभागियों ने परिचर्चा में हिस्सा लिया। आज के सत्र में 'भारत में जनजातियों में वाचिक परंपरा के तत्व एवं विशेषताएं तथा संरक्षण हेतु उपाय, भारत में जनजातीय धर्म एवं दर्शन, जनजातीय लोक कथाओं का पठन एवं अनुवाद तथा विभिन्न बोली भाषाओं में जनजातीय लोक काव्य पठन एवं अनुवाद' विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। आज के सत्र की अध्यक्षता पद्मश्री डॉ. दमयंती बेसरा ने की जबकि सह सत्र अध्यक्षता प्रो. रविन्द्र प्रताप सिंह, रिर्पोटियर डॉ. देवमत मिंज एवं डॉ. अभिजीत पेयंग द्वारा एवं आभार प्रदर्शन डॉ. रूपेन्द्र कवि द्वारा किया गया।

पद्मश्री डॉ. दमयंती बेसरा ने साहित्य परिचर्चा पर अपने विचार वक्तव्य करते हुए कहा कि केवल वाचिक परम्परा ही आदिवासी का जिन्दा साहित्य है। क्योंकि वाचिक परम्परा के द्वारा ही विभिन्न समाज (किसी लेखन प्रणाली के बिना वाचिक इतिहास, वाचिक साहित्य, वाचिक कानून तथा अन्य ज्ञान का एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में संचार करते आये हैं। अन्य संस्कृतियों की भांति भारतीय संस्कृति में वाचिक परम्परा ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। अत: इसे संजोह कर रखने की जरूरत है।

इसके अलावा डॉ. सत्यरंजन महाकुल, डॉ. स्नेहलता नेगी, डॉ. गंगा सहाय मीणा, वाल्टर भेंग, वंदना टेटे, प्रो.पी. सुब्बाचार्य रूद्रनारायण पाणिग्रही बी. आर.साहू, डॉ. संदेशा रायपा, जयमती कश्यप, डॉ. रेखा नागर डॉ. अल्का सिंह, डॉ. किरण नुरूटी, सहित 33 से अधिक वक्ताओं ने भी साहित्य परिचर्चा में अपने विचार व्यक्त किये।

शोधपत्र वाचन में आज कुल 41 शोधपत्र पढे गये इस सत्र की अध्यक्षता डॉ. टीके वैष्णव द्वारा की गई, जबकि सह अध्यक्षता प्रो. अरूण कुमार द्वारा की गई। दूसरे दिन के सत्र में जनजातीय साहित्य में लिंग संबंधी मुददे, जनजातीय कला साहित्य, जनजातीय साहित्य में सामाजिक-सांस्कृतिक संघर्ष, जनजातीय साहित्य में मुद्दे, चुनौतियां एवं संभावनाएं तथा जनजातीय विकास मुदर्द एवं चुनौतियां विषय पर शोधपत्र का वाचन किया गया। शोधपत्र वाचन में प्रमुख रूप से आदिवासियों की मुख्य भाषण निर्माण, मिथक प्रथागत, सामाजिक-सांस्कृतिक संस्था, ओडिशा की बोंडा जनजाति के दृष्टिकोण, विश्वास, परंपरा और लिंग मानदंड पर सरत कुमार जेना द्वारा प्रस्तुत किया गया। प्रो. जेना ने कस्टमरी लॉ को बचाने के प्रयास करने तथा उड़ीसा के पिछड़ी जनजाति बण्डा के संबंध में अवगत कराया। पूर्वोत्तर क्षेत्र के आदिवासी साहित्य में महिलाओं की स्थिति पर प्रो. ज्योत्सना द्वारा शोधपत्र का वाचन प्रस्तुत किया गया। प्रो. ज्योत्सना ने पूर्वोत्तर राज्यों की जनजाति महिलाओं के साहस पर प्रकाश डालते हुए मणीपुर असम, नागालेण्ड एवं अन्य राज्य के रीवा, नागा जाति के बारे में भी उल्लेख किया। इसके अलावा झारखंड जहां जनजातीय साहित्य बच्चों के मन में अंकुरित होता है पर विनय पाठक, गोंड चित्रकला का कला मानवशास्त्र- मानव और प्रकृति के बीच संबंध पर विचार पर डॉ विनीता दीवान, भारत के अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में पूर्व साक्षर जनजाति के अंग (जरवा) अध्ययन के बीच सामाजिक-सांस्कृतिक प्रथाओं और मूल्यों को समझना पर डॉ. पीयुष रंजन साहू द्वारा शोधपत्र प्रस्तुत किया गया।

राष्ट्रीय जनजातीय साहित्य महोत्सव का सफल आयोजन

इस साहित्य महोत्सव के अंतर्गत साहित्य परिचर्चा एवं शोध पत्र वाचन किया गया। साहित्य परिचर्चा कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 08 सत्र आयोजित किये गये। जिसमें देश के प्रख्यात साहित्यकारों ने भाग लिया। प्रथम दिवस को कुल 20 प्रतिभागियों एवं द्वितीय दिवस को 33 से अधिक साहित्यकारों ने भाग लिया। इसके अंतर्गत ''भारत जनजातीय भाषा एवं साहित्य का विकास-वर्तमान एवं भविष्य'', ''भारत में जनजातीय विकास-मुद्दे, चुनौतिया एवं भविष्य'', भारत में जनजातियों में वाचिक परंपरा के तत्व एवं विशेषताएं तथा संरक्षण हेतु उपाय, भारत में जनजातीय धर्म एवं दर्शन, जनजातीय लोक कथाओं का पठन एवं अनुवाद तथा विभिन्न बोली, भाषाओं में जनजातीय लोक काव्य पठन एवं अनुवाद'' आदि विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। पद्मश्री डॉ. दमयंती बेसरा, प्रो. एस.जेड.एच. आबिदी, डॉ. मदन सिंह एवं डॉ. स्नेह लता नेगी, डॉ. मदन सिंह ने टंटिया, रूद्र नारायण पाणीग्रही, जोबा मुरमू, बीआरसाहू, प्रो. पी. सुब्बाचारी, प्रो. रविन्द्र प्रताप सिंह, प्रो. वरजिनियस खाखा, प्रो. सरत कुमार जेना, डॉ. विपीन जौजो, डॉ. सत्यरंजन महाकुंल, डॉ. रूपेन्द्र कवि, डॉ.सत्यरंजन महाकुल, डॉ. स्नेहलता नेगी, डॉ. गंगा सहाय मीणा, वाल्टर भेंग, वंदना टेटे, प्रो.पी. सुब्बाचार्य, रूद्रनारायण पाणिग्रही, बी.आर.साहू, डॉ. संदेशा रायपा, जयमती कश्यप, डॉ. रेखा नागर, डॉ. अल्का सिंह, डॉ. किरण नुरूटी आदि साहत्यकारों ने साहित्य परिचर्चा में अपने विचार व्यक्त किये।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

रनवे 34 की रिलीज से पहले अजय देवगन ने कह दी यह बड़ी बात, कहा- पहले से कठिन हो गया है फिल्म निर्माण

बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन जल्द ही फिल्म रनवे 34 से बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाले हैं। रिलीज से पहले वह इस फिल्म का जोर शोर से प्रचार कर रहे हैं। इस बीच हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान आज के दौर में बनने वाली फिल्मों को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा इन 30 वर्षों में बॉलीवुड में फिल्म निर्माण काफी कठिन हो गया है। अब एक्टर्स और क्रिएटर्स पर पहले के मुकाबले दबाव अधिक बढ़ गया है क्योंकि आजकल लोगों की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

रनवे 34 के प्रचार के दौरान एक साक्षात्कार में जब अजय से पूछा गया कि क्या 90 के दशक की तुलना में अब फिल्में बनाना आसान है? इस पर जवाब देते हुए अभिनेता ने कहा, 'फिल्में बनाना अब पहले से कठिन हो गया है क्योंकि नई पीढ़ी के तहत चीजें बदल गई हैं। अब हमारे पास फिल्मों का समर्थन करने वाली कंपनियां हैं और फिल्मों का बजट भी अब बढ़ते जा रहा है। आपको हर समय सतर्क रहना पड़ता है कि पैसा और समय न बर्बाद हो।' उन्होंने कहा, 'पहले फिल्म निर्माण में बहुत मज़ा आता था। हम थोड़े लापरवाह थे। फिल्म चलेगी या नहीं, इसका कोई दबाव नहीं था। कोई प्रचार नहीं था और कोई सोशल मीडिया नहीं था। इसलिए आपको पता नहीं चलता था कि क्या हो रहा है। अजय ने आगे कहा कि आज के समय में हर कोई आलोचक बन गया है। इस वजह से अब दबाव बहुत अधिक बढ़ गया है। आज हमें अपने काम पर अधिक ध्यान देना पड़ता।' बता दें कि रनवे 34 अजय के निर्देशन में बनी दूसरी फिल्म है। इस फिल्म का लोगों को लंबे समय से इंतजार है। फिल्म में अजय के अलावा अमिताभ बच्चन और रकुल प्रीत सिंह भी अहम भूमिका में नजर आने वाली हैं। यह फिल्म 29 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

केजीएफ-2 के यश की मां बनीं अर्चना रियल लाइफ में उनसे 9 साल छोटी

केजीएफ-2' ने रिलीज के बाद बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया है। जब से ये फिल्म रिलीज हुई है, तब से हर कोई इसकी स्टार कास्ट की बात कर रहा है। इस फिल्म के लीड रोल रॉकी भाई का किरदार साउथ के एक्टर यश ने निभाया है और उनके बारे में सबको पता ही है। तो आइए बात करते हैं यश की ऑन स्क्रीन मां अर्चना जोइस के बारे में, जो रियल लाइफ में रॉकी से 9 साल छोटी हैं। फिल्म में रॉकी भाई की मां का रोल एक्ट्रेस अर्चना जोइस ने प्ले किया है। मां का दमदार रोल निभाने वाली अर्चना जोइस की उम्र सिर्फ 27 साल है। अर्चना साउथ इंडस्ट्री की जानी मानी मॉडल और एक्ट्रेस हैं। वो रियल लाइफ में काफी खूबसूरत हैं। अर्चना जितनी अच्छी एक्टिंग करती हैं, उतनी ही अच्छी डांसर भी हैं। वो एक ट्रेंड कथक डांसर हैं। अर्चना कर्नाटक की रहने वाली हैं। अर्चना शादीशुदा हैं और उनके पति का नाम श्रेयस उथप्पा है। वो अक्सर सोशल मीडिया पर अपने पति संग फोटोज शेयर करती रहती हैं।

आज कल रिक्शावालों ने भी अपने दाम बढ़ा दिए हैं: शाहिद कपूर

शाहिद कपूर की 'जर्सी' आज (शुक्रवार) सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। 'पद्मावत' और 'कबीर सिंह' की सफलता के बाद शाहिद 'जर्सी' से उतने ही बड़े स्तर पर लाभ की उम्मीद कर रहे हैं। इन फिल्मों के सुपरहिट होने के बाद खबर आई थी कि शाहिद ने अपनी फीस बढ़ा दी है। इस बारे में शाहिद का कहना है कि जब प्रोड्यूसर्स को लगता है कि कोई एक्टर उतना पैसा डिजर्व करता है, तो उसमें कोई गलत बात नहीं है।

आज कल रिक्शावालों ने भी अपने दाम बढ़ा दिए हैं

शाहिद ने कहा, देखिए ये सभी बातें जो मेरे फीस बढ़ाने को लेकर हैं, वो मेरे हिसाब से फिल्म बिजनेस के नजरिए से देखना चाहिए। अगर कोई प्रोड्यूसर को लगता है कि मैं एक अमाउंट का हकदार हूं या उतना डिजर्व करता हूं तो ठीक है। उसमें कोई गलत बात तो नहीं है ना। आज कल रिक्शावालों ने भी अपने दाम बढ़ा दिए हैं, दूध वालों ने भी। आज कल यही चलता है। हालांकि, शाहिद ने अपनी फीस बढ़ाने का कोई सीधा जवाब नहीं दिया।

शाहिद ने अपकमिंग फिल्म के लिए अपनी फीस एक बार फिर बढ़ाई

शाहिद की फीस की बात करें तो 'जर्सी' के लिए 31 करोड़ रुपए चार्ज किए थे। लेकिन, लास्ट मिनट में कोरोना की वजह से फिल्म की रिलीज में देरी हुई। इस वजह से शाहिद ने फीस में कटौती भी की थी। लेकिन, माना जा रहा है कि एक्टर ने अब अली अब्बास जफर की अपकमिंग फिल्म के लिए अपनी फीस एक बार फिर बढ़ा दी है।

वहीं फिल्म 'जर्सी' की बात करें तो मेकर्स लंबे समय से थिएटर रिलीज की तलाश में थे, क्या ऐसे में उन्होंने ओटीटी रिलीज के लिए जाने के बारे में सोचा या नहीं? इस बारे में शाहिद बताते हैं, जब पहला लॉकडाउन हुआ तो किसी को नहीं पता था कि आगे क्या होने वाला है। सिनेमाघर कब खुलने वाले थे? हम चाहते थे कि यह फिल्म ऑडियंस बड़ी स्क्रीन पर देखे। क्योंकि, ये उसी स्क्रीन के लिए बनी है।

फिल्म में शाहिद के अपोजिट मृणाल ठाकुर नजर आएंगी

शाहिद ने आगे कहा, ओटीटी रिलीज के बारे में मेरी और हमारी जर्सी टीम के बीच कई बार चर्चा हुई और हम इस बात पर सहमत हुए कि ये थिएटर में रिलीज होगी। निर्माताओं ने मेरा समर्थन किया और निर्देशक ने भी हामी भरी। इसलिए फिल्म आखिरकार सिनेमाघरों में आई। इस स्पोर्ट्स ड्रामा में शाहिद कपूर के अपोजिट एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर नजर आएंगी।

नीरज पांडे की फिल्म जैसी नहीं दिखी 'ऑपरेशन रोमियो', कमजोर पटकथा ने कर दिया बंटाधार

नीरज पांडे का हिंदी सिनेमा में बड़ा नाम रहा है। निर्देशक के तौर पर उन्होंने हिंदी सिनेमा को 'अ वेडनेसडे', 'स्पेशल 26', 'बेबी', 'एम एस धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी' और 'अय्यारी' जैसी फिल्में दी हैं। निर्माता के तौर पर भी वह 'रुस्तम', 'नाम शबाना' और 'मिसिंग' जैसी फिल्में बनाते रहे हैं। लेकिन, बतौर निर्माता निर्देशक उनकी आखिरी फिल्म 'अय्यारी' का दुस्वप्न उनका पीछा नहीं छोड़ रहा। इस एक फिल्म ने नीरज पांडे की ब्रांड वैल्यू पर सिनेबाजार में जो धब्बा लगाया, उसकी परछाई नकी नई फिल्म 'ऑपरेशन रोमियो' पर भी दिखाई दे रही है। ये फिल्म मलयालम में तीन साल पहले रिलीज हुई सुपरहिट फिल्म 'इश्क: नॉट ए लव स्टोरी' की रीमेक है। लेखक अरशद सैयद ने इसे हिंदी सिनेमा के दर्शकों की अनुभूतियों के अनुसार अनूदित करने की कोशिश की है। फिल्म की कहानी है भी अच्छी। लेकिन, हिंदी में इसकी पटकथा इसे एक लंबा और थका देने वाला अनुभव बना देती है।

इस रात की सुबह गड़बड़

फिल्म की कहानी मुंबई में घटती है और ये पृष्ठभूमि ही फिल्म की सबसे बड़ी कमजोर कड़ी है। जो कुछ फिल्म में घटता दिखता है वह मुंबई में होते सोच पाना जरा मुश्किल है। कहानी एक प्रेमी युगल के आपसी प्यार के इसरार, इन्कार और इजहार से शुरू होती है और खत्म वहां होती है जहां एक रात में हुए हादसे को लेकर दोनों के मन में चलती रही उथलपुथल के अपने अपने हिसाब से सोचे गए अंजाम पर खत्म होती है। प्रेमी युगल को एक पुलिसवाला सा दिखना वाला गबरू इंसान ब्लैकमेल करने की कोशिश करता है। साथी उसका अलग खेल खेलता रहता है। किसी तरह ले देकर मामला सुलटता है तो युवती का तंज युवक को बर्दाश्त नहीं होता। वह पूरे मामले की थाह लेने निकलता है तो उसके सामने पूरे मामले का एक अलग ही सच सामने आता है। फिल्म के क्लाइमेक्स में महिला सशक्तीकरण का अजीब सा ट्विस्ट फिल्म देखने में निवेश किए गए समय पर ही सवाल लगा देता है।

रहस्य और रोमांच के संतुलन में विफल

फिल्म 'ऑपरेशन रोमियो' विचार के हिसाब से अच्छी फिल्म है। मलयालम में इसने लागत से तीन गुना कमाई की तो जाहिर है कि वहां लोगों को पसंद भी आई होगी। लेकिन, हिंदी में ये फिल्म सिनेमाघरों में जाकर देखने लायक नहीं बन सकी है। ओटीटी पर फिर भी इसे एक बार को देखा जा सकता है। फिल्म की सबसे कमजोर कड़ी जैसा कि मैंने शुरू में ही लिखा, इसकी पटकथा है। ये कहानी रहस्य, रोमांच और अनदेखे की बहुत महीन लकीर पर संतुलन साधने की कोशिश है। फिल्म दो हिस्सों मे बंटी है और इंटरवल से पहले का हिस्सा इसका उत्सुकता तो जगाता है पर माहौल बनाने में बहुत देर कर देता है। इंटरवल के बाद का हिस्सा रोचक है, पर इसमें भी घटनाएं रफ्तार पकड़ते पकड़ते देर कर देती है। देर तक फिल्म एक ही जगह रुकी रहती है।

शरद और भूमिका का अभिनय प्रभावी

'ऑपरेशन रोमियो' के नाम पर अलग अलग राज्यों में पुलिस के हाथों प्रेमी युगलों के प्रताड़ित होने की खबरें अक्सर आती हैं। और ऐसी ही सच्ची सी कहानियों पर बनी इस फिल्म में नीरज पांडे ने छोटे परदे के अभिनेता सिद्धांत और म्यूजिक वीडियो में नजर आती रहीं वेदिका पिंटो की नई जोड़ी को बड़े परदे पर पेश किया है। सिद्धांत के अभिनय में फिर भी ताजगी नजर आती है और अगर काबिल निर्देशकों के हाथ वह लगे तो उनका भविष्य भी उज्जवल दिखता है। वेदिका पिंटो के हिस्से खास कुछ आया नहीं है। हां, फिल्म की असल धुरी बने शरद केलकर ने कमाल का काम किया है। शरद के अभिनय के असली रंग हिंदी सिनेमा ने ज्यादा देखे नहीं है। और, फिल्म 'ऑपरेशन रोमियो' का सरप्राइज पैकेज हैं भूमिका चावला। 'तेरे नाम' की निर्जरा वाली मासूमियत अब भी उनके चेहरे पर बाकी है। अभिनय भी उन्होंने अच्छा किया है।

तकनीकी टीम ने नहीं दिया साथ

फिल्म की पटकथा के अलावा इसकी दूसरी कमजोर कड़ियां हैं, इसका ढीला निर्देशन, चलताऊ गीत, स्टॉक जैसा दिखता संगीत और इसका संपादन। एम एम क्रीम जैसे दिग्गज संगीतकार से फिल्म के निर्देशक शशांत शाह एक भी गाना गुनगुनाने लायक नहीं बनवा पाए। शशांत को अपनी डेब्यू फिल्म के लिए एक ओरीजनल कहानी पर काम करना चाहिए था। मलयालम फिल्म की इस हिंदी रीमेक में वह यूनीवर्सल अपील जैसा कुछ नहीं डाल पाए हैं। यही फिल्म अगर उत्तर भारत के किसी छोटे से शहर की पृष्ठभूमि पर बनी होती तो इसका असर ही कुछ और होता।

रॉकी भाई का बॉक्स ऑफिस पर तूफान

केजीएफ-2 की कमाई पहले 7 दिन में ही 700 करोड़ पार, बाहुबली-2 और दंगल को पछाड़ा

साउथ के सुपरस्टार यश की फिल्म केजीएफ-2 बॉक्स ऑफिस पर लगातार रिकॉर्ड्स बनाती जा रही है। फिल्म ने पहले हफ्ते यानी 7 दिन में ही 700 करोड़ रुपए से ज्यादा का वर्ल्ड वाइड बिजनेस कर लिया है। इतना ही नहीं फिल्म के हिंदी वर्जन ने भी 7 दिन में 250 करोड़ रुपए से ज्यादा कमाई कर ली है। ट्रेड एनालिस्ट को उम्मीद है कि फिल्म दूसरे हफ्ते में ही 1000 करोड़ क्लब में शामिल हो जाएगी।

केजीएफ-2 ने 7 दिन में कमाए 720 करोड़ रुपए

मनोबाला विजयबालन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर बताया कि 100 करोड़ रुपए के बजट में बनी केजीएफ-2 ने 7 दिन में अब तक वर्ल्ड वाइड 720.31 करोड़ रुपए का ग्रॉस बॉक्स ऑफिस कलेक्शन किया है। इतना ही नहीं, ये फिल्म 6 दिन में ही प्रभास की बाहुबली के लाइफटाइम ग्रॉस (650 करोड़ रुपए) बिजनेस को पीछे छोड़कर 8वीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली इंडियन केजीएफ-2 भी बन गई है।

रॉकी की फिल्म का डे टु डे कलेक्शन

मनोबाला ने बताया कि केजीएफ-2 ने 7वें दिन यानी बुधवार को 43.51 करोड़ रुपए से ज्यादा का ग्रॉस वर्ल्ड वाइड बिजनेस किया है। इससे पहले फिल्म ने 6वें दिन (मंगलवार) 51.68 करोड़, 5वें दिन (सोमवार) 73.29 करोड़, चौथे दिन (रविवार) 132.13 करोड़, तीसरे दिन (शनिवार) 115.08 करोड़, दूसरे दिन (शुक्रवार) 139.25 करोड़ और पहले दिन (गुरुवार) 165.37 करोड़ रुपए का वर्ल्ड वाइड बिजनेस किया था।

तरण आदर्श ने बताया कि केजीएफ-2 के हिंदी वर्जन ने इंडिया में सिर्फ 7 दिन में ही टोटल 255.05 करोड़ रुपए का बिजनेस किया है। फिल्म के हिंदी वर्जन ने 7 दिन में 250 करोड़ रुपए से ज्यादा का बिजनेस कर बाहुबली-2 के फर्स्ट वीक के कमाई का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। केजीएफ-2 हिंदी में सबसे तेज 250 करोड़ का आंकड़ा पार करने वाली फिल्म भी बन गई है। इससे पहले बाहुबली-2 ने 8, दंगल ने 10, संजू ने 10 और टाइगर जिंदा है ने भी 10 दिन में 250 करोड़ का आंकड़ा पार किया था। तरण ने बताया कि केजीएफ-2 के हिंदी वर्जन ने इंडिया में 7वें दिन 16.35 करोड़ रुपए का बिजनेस किया है। इससे पहले फिल्म के हिंदी वर्जन ने 6वें दिन 19.14 करोड़, 5वें दिन 25.57 करोड़, चौथे दिन 50.35 करोड़, तीसरे दिन 42.90 करोड़, दूसरे दिन 46.79 करोड़ और पहले दिन 53.95 करोड़ रुपए की कमाई की थी।

काजल अग्रवाल ने रिवील किया बेटे का नाम, पोस्ट शेयर कर बताए जिंदगी में आए बदलाव

एक्ट्रेस काजल अग्रवाल ने मंगलवार (19 अप्रैल) को बेटे को जन्म दिया है। हाल ही में काजल और उनके पति ने सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए इन खबरों को कंफर्म कर दिया है। साथ ही काजल ने अपने इस पोस्ट के जरिए अपने बेटे का नाम भी रिवील कर दिया है। वहीं काजल ने अपने पोस्ट में मां बनने के बाद अपनी फीलिंग्स को जाहिर किया है।

काजल ने अपने पोस्ट में बताया है कि उनके बेटे का जन्म 19 अप्रैल 2022 को हुआ और उसका नाम नील किचलू है। इस पोस्ट में नील के ग्रैंड पेरेंट्स और पूरी फैमिली के नाम के साथ एक खूबसूरत कार्ड भी पोस्ट किया है। साथ ही काजल ने अपने पोस्ट में लिखा, 'मैं बहुत खुश हूं। आप सभी के प्यार और आशीर्वाद के लिए बहुत बहुत शुक्रिया।'

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026,
8962815243

खास खबर

स्वास्थ्य मेला में 1689 लोग हुए लाभांवित

गरियाबंद। आजादी के 75वीं वर्षगांठ को आजादी के अमृत महोत्सव के रूप में मनाते हुए जिला चिकित्सालय गरियाबंद परिसर में 21 अप्रैल 2022 को आजादी के अमृत महोत्सव अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय स्वास्थ्य मेला एवं विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ कलेक्टर नम्रता गांधी, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती रोक्तिमा यादव, नगर पालिका अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार मेमन, सीएमएचओ डॉ. एन.आर. नवरत्न, सीएस डॉ. जी.एल. टण्डन, खण्ड चिकित्सा अधिकारी गरियाबंद डॉ. बी. बारा एवं डीपीएम डॉ. रीना लक्ष्मी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला-पंचायत गरियाबंद द्वारा रक्त दान भी किया गया तथा नगर पालिका अध्यक्ष श्री मेमन द्वारा पात्र नागरिकों को आयुष्मान कार्ड का वितरण किया गया। उक्त स्वास्थ्य मेलें में विभिन्न प्रकार की गतिविधियॉ करते हुए कुल डिजिटल स्वास्थ्य आईडी निर्माण-14, एनसीडी स्क्रिनिंग मधुमेह-72, उच्च रक्तचाप-234, कोविड टीकाकरण-10, मुख स्वास्थ्य-29, क्षय रोग-05, नेत्र रोग जॉच-127 एवं 65 हितग्राही को चश्मा वितरण, हड्डी रोग-17, कुष्ठ रोग-08, पात्र नागरिकों को आयुष्मान भारत कार्ड निर्माण-22, टेलीकंसल्टेशन सुविधा-11, रेफरल, कुल रक्त दान-25, मलेरिया जॉच-13, नाक-कान-गला जॉच-28, स्वास्थ्य शिक्षा, श्रम कार्ड निर्माण- 04, नि:शुल्क दवाई वितरण, स्वाथ्य संबंधी परामर्श एवं जनजागरूकता तथा स्वस्थ्य जीवनशैली अपनाने हेतु प्रेरित किया गया।

व्यापम ने प्रवेश परीक्षाओं की संभावित तिथि जारी की

रायपुर। छत्तीसगढ़ व्यवसायिक परीक्षा मंडल द्वारा पीपीटी, पीएटी सहित विभिन्न प्रवेश परीक्षाओं के लिए संभावित तिथियों की घोषणा कर दी गई है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की घोषणा के अनुरूप इन परीक्षाओं में स्थानीय परीक्षार्थियों से शुल्क नहीं लिया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने वित्तीय वर्ष 2022-23 का बजट प्रस्तुत करते हुए छत्तीसगढ़ राज्य के युवाओं के लिए बड़ी घोषणा की थी। मुख्यमंत्री बघेल ने छत्तीसगढ़ के मूल निवासी अभ्यर्थियों से छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) एवं छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (पीएससी) द्वारा आयोजित की जाने वाली प्रवेश एवं भर्ती परीक्षाओं के लिए शुल्क नहीं लिए जाने की बात कही थी। मुख्यमंत्री की इस घोषणा पर अमल भी शुरू हो गया है। बीते दिन ही स्नातक स्तर के विभिन्न तकनीकी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल ने संभावित तिथियां जारी कर दी हैं।

देश का भविष्य युवाओं के सपनों और आशाओं से गढ़ा जायेगा : उपराष्ट्रपति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर का तीसरा दीक्षांत समारोह आज संपन्न हुआ। दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि उपराष्ट्रपति श्री एम.वेंकैया नायडु ने अपने वर्चुअल उद्बोधन में कहा कि देश का भविष्य युवाओं के सपनों और आशाओं से गढ़ा जायेगा। देश की 65 प्रतिशत से अधिक आबादी युवाओं की है।

उन्होंने कहा कि हम अपना प्राचीन समृद्ध ज्ञान एवं परम्परा खोते जा रहे हैं। अपनी पुरानी प्रतिष्ठा फिर से अर्जित करने के लिए हमें अपने शिक्षण संस्थाओं को विश्वस्तरीय बनाना होगा। नये शोध एवं नवाचार गतिविधियों को बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि हम तेजी से बदलते तकनीकी युग में जी रहे हैं। हमें अपने विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों को आधुनिक संदर्भ में प्रासंगिक बनाना चाहिए। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने समारोह में स्वर्ण पदक एवं उपाधि प्राप्त विद्यार्थियों एवं विद्वानों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन सम्पूर्ण जीवनकाल का महत्वपूर्ण समय होता है। अच्छे और बुरे का बोध हमें इसी समय पता लगता है। मानवीय मूल्यों, संस्कारों और रचनात्मक क्षमता का विकास इसी दौरान होता है। कड़ी मेहनत से जीवन को दिशा मिलती है। उन्होंने आह्वान किया कि विद्यार्थी अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित करें और इसे प्राप्त करने के लिये निरंतर प्रयास करें ,एक दिन जरूरी कामयाबी मिलेगी। प्रारंभिक विफलताओं से हमें निराश होने की जरूरत नही है। उन्होंने कहा कि आज मेडल प्राप्त 162 विद्यार्थियों में 117 विद्यार्थी महिलाएं हैं। यह समाज के लिए गौरव का विषय है। साथ ही महिला सशक्तिकरण का उदाहरण भी है। केवल डिग्री प्राप्त कर लेना महत्वपूर्ण नहीं हैं, हमें संवेदनशीलता और मानवीय संवेदना के साथ गरीबों एवं जरूरतमंद लोगों की सेवा के लिए तत्पर रहना चाहिए।

उन्होंने कहा कि अध्ययन काल में प्राप्त शिक्षा ही हमें जीवन के चुनौतियों से लड़ने का साहस व हौसला देती है। साथ ही जीवन के तमाम लक्ष्यों को हासिल करने में सफलता भी दिलाती है। उन्होंने बढ़ती प्रतिस्पर्धा और तकनीक के दौर मे शिक्षा मे शोध, आविष्कार एवं नवाचार की आवश्यकता बताई और कहा कि हमे शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ानी होगी द्य हमें शिक्षा के साथ अपने व्यक्तित्व विकास की ओर भी ध्यान देना बेहद जरूरी है। हमें ऐसी शिक्षा की जरूरत है जिससे विद्यार्थियों का चरित्र निर्माण हो सके,उनका मानसिक विकास हो और वह अपने पैरों पर खड़ा हो सकेद्य उन्होंने समस्त विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थाओं को इस दिशा में सदैव प्रयास करते रहने की अपील की।

उच्च शिक्षा मंत्री उमेश पटेल ने कहा कि अटल विश्वविद्यालय ने गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ की तर्ज पर गढ़बो नवा विश्वविद्यालय का नारा देकर अकादमिक एवं शोध के क्षेत्र में अच्छा काम कर रहा है। विश्वविद्यालय ने छत्तीसगढ़ी भाषा में नोट शीट प्रचलित कर अच्छी पहल की है। विश्वविद्यालय ने विभिन्न क्षेत्रों में शोध को नई दिशा देने के लिए शोधपीठों की स्थापना की है। राज्य के युवाओं को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए उच्च शिक्षा विभाग प्रतिबद्ध है।

इसके अलावा यूपीएससी के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर पी.के.जोशी ने अपने संबोधन में कहा कि सामाजिक जिम्मेदारी, जवाबदेही, निष्पक्षता और ईमानदारी को मुख्य मूल्य के रूप में अपनाना चाहिए। कुलपति ए.डी.एन बाजपेयी ने स्वागत भाषण दिया और विश्वविद्यालय की उपलब्धियों की जानकारी दी।

किसानों को मदद पहुंचाने के मामले में छत्तीसगढ़ देश का अग्रणी राज्यः रविन्द्र चौबे

छत्तीसगढ़ में किसानों को धान और गन्ना का मिल रहा सर्वाधिक मूल्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कृषि एवं जल संसाधन मंत्री श्री रविन्द्र चौबे ने 20 अप्रैल बुधवार को अपने निवास कार्यालय में तमिलनाडु से आए कृषक प्रतिनिधि मण्डल से छत्तीसगढ़ में खेती-किसानी की स्थिति और किसानों के हित में संचालित योजनाओ के बारे में विस्तार से चर्चा की। मंत्री श्री चौबे ने कहा कि छत्तीसगढ़ ने बीते तीन वर्षों में खेती-किसानी को समृद्ध और किसानों को खुशहाल बनाने के लिए कई नवाचार किए हैं।

यहां कई अभिनव योजनाएं शुरू की गई हैं। किसानों को फसल उत्पादकता एवं फसल विविधीकरण को अपनाने के लिए उन्हें मदद पहुंचाने के मामले छत्तीसगढ़ देश का अग्रणी राज्य है। यहां के किसानों को धान और गन्ना की सर्वाधिक कीमत मिल रही है।

कृषि मंत्री ने इस मौके पर छत्तीसगढ़ सरकार की राजीव गांधी किसान न्याय योजना, गोधन न्याय योजना, राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी और कहा कि इन योजनाओं का उद्देश्य ग्रामीणों और किसानों की आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाना है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रतिवर्ष 7 हजार रूपए की आर्थिक मदद दी जा रही है, जो कि पीएम सम्मान निधि के तहत मिलने वाली राशि से ज्यादा है। तमिलनाडु में भू-जल स्तर की चिंताजनक स्थिति को देखते हुए कृषि मंत्री श्री चौबे ने प्रतिनिधिमंडल को छत्तीसगढ़ सरकार के नरवा विकास कार्यक्रम को वहां अपनाए जाने का सुझाव दिया।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ सरकार की किसान हितैषी नीतियों और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन को देखने और समझने के लिए तमिलनाडु राज्य के कावेरी नदी किसान संरक्षण समिति का प्रतिनिधिमंडल दो दिवसीय प्रवास पर छत्तीसगढ़ आया था। प्रतिनिधि मण्डल राज्य के विभिन्न अंचलों में खेती-किसानी की स्थिति को देखने के बाद 20 अप्रैल को कृषि एवं जल संसाधन मंत्री श्री रविन्द्र चौबे के रायपुर स्थित निवास कार्यालय पहुंचकर उनसे सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने कृषि मंत्री श्री रविन्द्र चौबे को तमिलनाडु का प्रसिद्ध ब्लैक राईस और ऑर्गेनिक गुड़ भेंट किया। कृषि विभाग के सचिव एवं गोधन न्याय मिशन के प्रबंध संचालक डॉ. एस. भारतीदासन ने तमिलनाडु राज्य में कृषि की स्थिति और छत्तीसगढ़ में किसानों की बेहतरी के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी दी। किसान प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख श्री सुन्दर विमल नाथन ने बताया कि उनके दल ने तमिलनाडु के अलग-अलग जिलों के किसान प्रतिनिधि शामिल हैं, जो मुख्यत: धान और गन्ना की खेती प्रमुखता से करते हैं। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में गन्ना उत्पादक किसानों को तमिलनाडु राज्य की तुलना में ज्यादा मूल्य मिल रहा है।

श्री नाथन ने कहा कि छत्तीसगढ़ में किसानों को मिल रहे अधिक लाभ को जानने और समझने के उद्देश्य से उनका दल छत्तीसगढ़ के दौरे पर आया है।

श्री नाथन ने कृषि मंत्री से छत्तीसगढ़ में नेचुरल फॉर्मिंग का राष्ट्रीय कॉन्क्लेव आयोजित किए जाने का आग्रह किया। उन्होंने खेती-किसानी में भू-जल के उपयोग को लेकर भी किसानों को जागरूक किए जाने की बात कही। दौरान रायपुर के अभनपुर विकासखण्ड स्थित आदर्श गौठान नवागांव (ल), छेरीखेड़ी स्थित मल्टी एक्टिविटी सेंटर में महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा संचालित आयमूलक गतिविधियों का मुआयना किया।

विवाह में फिजुल खर्ची को रोकने के लिए आदर्श विवाह एक बेहतर माध्यम- ताम्रध्वज साहू

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। प्रदेश के गृह जेल एवं लोक निर्माण मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू आज गुरुवार को जिले के बेरला तहसील के अन्तर्गत ग्राम पाहंदा में आयोजित कर्मा जयंती महोत्सव एवं आदर्श विवाह कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में शामिल हुए और वर-वधु को अपना आशीर्वाद प्रदान किया। तहसील साहू संघ बेरला एवं परिक्षेत्रीय साहू संघ सरदा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष श्री थानेश्वर साहू ने की।

विशिष्ट अतिथि के रुप में विधायक बेमेतरा श्री आशीष कुमार छाबड़ा सहित समाज के पदाधिकारी उपस्थित थे। समारोह में चार जोड़े का आदर्श विवाह सम्पन्न हुआ अतिथियों ने नव दम्पत्तियों को अपना आशीष प्रदान किया और उनके खुशहाल एवं उज्जवल भविष्य की कामना की।

गृहमंत्री श्री साहू ने कहा कि विवाह संस्कार में फिजुल खर्ची को रोकने के लिए आदर्श विवाह एक बेहतर माध्यम है। आदर्श विवाह की शुरुआत साहू समाज के द्वारा ही की गई थी। वर्तमान समय में शादी ब्याह में आडंबर एवं दिखावा पर अंकुश लगना चाहिए।

यदि समाज को तरक्की के रास्ते पर ले जाना है तो आने वाली पीढ़ी को बेहतर शिक्षा दें उन्हे अच्छे संस्कार प्रदान करें। आज की युवा पीढ़ी पाश्चात्य सभ्यता के प्रति ज्यादा आकर्षित हो रही है। टेलीविजन के आने से युवा पीढ़ी अपने संस्कार खोते जा रहे हैं। गृहमंत्री ने समाज में व्याप्त कुरितियों को दूर करने का आव्हान किया। आज भी दशगात्र जैसे कार्यक्रमों में अपव्यय किया जा रह है इस पर रोक लगनी चाहिए। समाजिक सम्मेलन के जरिए समाज को विकास के रास्ते पर ले जाया जा सकता है। बेरला तहसील का समाजिक संगठन काफी मजबूत है और अपनी एक विशेष पहचान बनाया है। गृहमंत्री ने यह भी कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना के कारण पिछले दो साल से सामुहिक आदर्श विवाह जैसे आयोजन बंद थे। कोरोना अभी खत्म नहीं हुआ है, हमें और विशेष सावधानी बरतने की जरुरत है कोविड गाईडलाइन का पालन करें।

अध्यक्षीय उद्बोधन में छ.ग. राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष श्री थानेश्वर साहू ने कहा कि तहसील साहू संघ बेरला की विशिष्ट पहचान स्थापित है। समाज की तरक्की के लिए यह संगठन मजबूती से काम कर रहा है। उन्होने युवा पीढ़ी से आव्हान करते हुए कहा कि समाज को आगे बढ़ाने मे अपना बहुमूल्य योगदान दें। आदर्श विवाह के जरिए जो दाम्पत्य बंधन में बंधे हैं उनका जीवन खुशहाल रहा है और पारिवारिक जीवन में कोई व्यवधान नहीं आया है। श्री साहू ने नव दम्पत्तियों को अपना आशीर्वाद प्रदान किया।

युवा शक्ति केन्द्र सुकमा जिले की बड़ी उपलब्धी

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। एक दिवसीय सुकमा प्रवास के दौरान केन्द्रीय राज्य मंत्री, जनजातीय मामले मंत्रालय, भारत सरकार, श्रीमती रेणुका सिंह ने स्वामी विवेकानन्द युवा शक्ति केन्द्र परिसर का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने जिला ग्रन्थालय, कोचिंग सेन्टर, जिम का अवलोकन किया और छात्रों से चर्चा की।

उन्होंने कहा कि सुकमा जैसे दूरस्थ नक्सल प्रभावित क्षेत्र में युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए बेहतर माहौल प्रदान करना जिले के लिए बड़ी उपलब्धी है। सुकमा जैसे छोटी जगह में दिल्ली जैसी कोचिंग सुविधाएं मुहैया कराई जा रही है।

यहां की सुविधाओं का लाभ लेकर युवा निश्चित तौर से प्रतियोगी परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त कर प्रशासनिक पदों पर काबिज होंगे। उन्होंने पुस्तकालय में यूपीएससी परीक्षा की तैयारी कर रहे अनुराग शर्मा एवं अन्य से चर्चा की। साथ ही मन लगाकर पढ़ने और कड़ी मेहनत कर उच्च प्रशासनिक पदों पर काबिज होने की शुभकानाएं दी।

श्रीमती सिंह ने विवेकानन्द युवा शक्ति केन्द्र में सीजीपीएससी, व्यापम सहित अन्य प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं से मुलाकात की। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि कड़ी मेहनत से ही लक्ष्य की प्राप्ति संभव है।

किसी लक्ष्य के प्रति ऐसा जुनून बनाएं जो लक्ष्य हासिल होने पर ही शांत हो। उन्होंने महापुरुषों की विचारों तथा प्रेरणादायक शब्दों से युवाओं को प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने अपने अनुभव युवाओं से साझा किए।

मंत्री श्रीमति रेणुका सिंह ने कलेक्टर श्री नन्दनवार और प्रशासन के समर्पण भाव की सरहाना करते हुए कहा कि सुकमा जैसे संवेदनशील जिले में युवाओं को शिक्षा के क्षेत्र में आगे लाने की जरुरत रही, आज जानकर खुशी हो रही है कि जिले में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेतहर पढ़ाई का माहौल नि:शुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे युवा कविता साहू, साजिया खान, सुशील मरकाम, सौरभ उप्पल से कौचिंग में दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली।

पर्यावरणीय नियमो के तहत चलने वाले जनजातीय समाज को अंग्रेजो के कानून अवैध लगे

राष्ट्रीय जनजाति साहित्य महोत्सव : जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए आदिवासी समुदाय ने किए विभिन्न आंदोलन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय जनजाति साहित्य महोत्सव के तीसरे और अंतिम दिन देश के विभिन्न राज्यों के प्रतिभागियों ने शोध पत्र का वाचन किया। आज पंचम सत्र में ''जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी-भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में इनका संघर्ष, भूमिका एवं योगदान विषय पर शोधार्थियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किया गया। शोधार्थियों ने अपने शोध पत्रों में जनजातीय समुदायों द्वारा जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए उनके त्याग और बलिदान का विशेष रूप से उल्लेख किया। पर्यावरणीय नियमों के तहत चलने वाले जनजातीय समाज के लिए अंग्रेजो के कानून अवैध लगे और आंदोलन की राह पकड़ लिए। छत्तीसगढ़ का आदिवासी समुदाय अन्याय, शोषण एवं अत्याचार के विरोध में खड़े हुए। ऐसे आंदोलन से जनता के मनोबल में वृद्धि और संघर्ष की प्रेरणा मिलती थी।

आज शोध-पत्र का पठन करते हुए मध्यप्रदेश से आये डॉ मदन सिंह वास्केल ने महू क्षेत्र के आदिवासी क्रांतिकारी टांटिया के बारे में बताया।लोग उसे प्यार से टांटिया मामा कहते थे। मामा अंग्रेज़ो के खजाना को लूटकर गरीबो को बांट देता था। समाज के लिए लड़ने वाले मामा को आज भी क्षेत्र के लोग मानते है। इसी प्रकार जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों पर आधारभूत व्याख्यान आचार्य रमेन्द्र नाथ मिश्र, अंजलि यादव ने भारत की सांस्कृतिक धरोहर जनजातियों की स्वतंत्रता आन्दोलन में भागीदारी अंजली यादव, गंगाराम कश्यप ने 1910 की भूमकाल क्रांति में बस्तर के आदिवासी क्रांतिकारियों की भूमिका और संघर्ष में चुनौतियों का योगदान, विनोद भगत ने जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी शहीद वीर बुधू भगत,करुणा देवांगन ने स्वतंत्रता आंदोलन में बस्तर के जनजातियों का योगदान एक अवलोकन,डॉ सीमा पाल ने भूमकाल के सूत्रधार लाल कालेंद्र सिंह,डॉ डी एन खूंटे ने दक्षिण बस्तर में 1856 ई. का विद्रोह और घुर्वाराव,ईश्वर लाल ने जनजातीय जागृति में जननायक हीरा सिंहदेव कांगे का योगदान - छत्तीसगढ़ के संदर्भ में (एक अनुशीलन), अजय कुमार चतुर्वेदी ने सरगुजा अंचल के जनजातियों का स्वतंत्रता संग्राम में योगदान,निर्मल बघेल एवं अन्य ने जंगल सत्याग्रह में शहीद आदिवासी सहित विभिन्न राज्यों के शोधार्थियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

खास-खबर

पूजा के लिए फूल तोड़ रही वृद्धा से बाइक सवार ने की लूट

बिलासपुर (ए)। पूजा के लिए फूल तोड़ने निकली वृद्धा को बाइक सवार ने धक्का देकर गिरा दिया। इसके बाद उनके गले से दो तोले की सोने की चेन लूटकर फरार हो गया। घटना की सूचना पड़ोसियों ने पुलिस को दी। इसके बाद उनके बेटे ने लूट की शिकायत सरकंडा थाने में की। पुलिस जुर्म दर्ज कर लुटेरों की तलाश कर रही है। सरकंडा क्षेत्र के राजकिशोर नगर में रहने वाली सुशीला शर्मा(70) गृहणी हैं। गुरूवार की सुबह छह बजे वे पूजा के लिए फूल तोड़ने के लिए निकली थीं। वे घर के बाहर फूल तोड़ रही थीं। इसी बीच वहां पर बाइक सवार युवक आया। उसने वृद्धा को धक्का देकर गिरा दिया। इसके बाद उनके गले से दो तोले सोने की चेन लूटकर भाग निकला। महिला ने शोर मचाकर आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी। इस पर पड़ोसियों ने उनके बेटे को इसकी जानकारी दी। साथ ही घटना की सूचना पुलिस को दी गई। मामले में पीड़ित के बेटे ने सरकंडा थाने में शिकायत की है। इस पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी का फुटेज लिया है। साथ ही मोहल्ले के लोगों से घटना के संबंध में जानकारी ली गई है। देर शाम तक मामले में पुलिस को लुटेरों का सुराग नहीं मिला है।

जिला पंचायत के सामने से छात्र की बाइक ले गए चोर

बिलासपुर (ए)। सोमवार की दोपहर जिला पंचायत के सामने से चोरों ने छात्र की बाइक पार कर दी। जांजगीर-चांपा जिले के मालखरौदा थाना अंतर्गत कलमी निवासी प्रितेश साहू छात्र हैं। वे बंगालीपारा में रहकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। सोमवार की दोपहर वे किसी काम से जिला पंचायत आए थे। वे अपनी बाइक जिला पंचायत के सामने गेट के पास छोड़कर कार्यालय के अंदर चले गए। 10 मिनट के बाद वे वापस आए तो उनकी बाइक गायब थी। आसपास में तलाश के बाद उन्होंने घटना की शिकायत सिविल लाइन थाने में की है। इस पर पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

क्रिकेट मैच के दौरान दो पक्ष भिड़े, मारपीट के बाद थाने में की शिकायत

बिलासपुर (ए)। बुधवार की रात राजा रघुराज सिंह स्टेडियम में क्रिकेट मैच के दौरान युवकों के दो गुट में विवाद हो गया। मारपीट के बाद दोनों गुट के लोगों ने इसकी शिकायत सिविल लाइन थाने में की है। पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। मसानगंज मस्जिद के पास रहने वाले नावेद अली ने बताया कि बुधवार की रात वे अपने साथी अक्षय सिंह के साथ मैच देख रहे थे। इसी बीच अभिनव केशरवानी ने उन्हें गालियां देना शुरू कर दिया। इसका विरोध करने पर उसने अपने साथी देवेंद्र चंद्रा, देवेंद्र सिंह, सोम शर्मा के साथ मिलकर बांस के डंडे और लकड़ी के बत्ते से पिटाई की। इस दौरान निखिल चौहान, हैदर अली, अभिषेक यादव व अन्य ने बीच-बचाव किया। वहीं, गोंड़पारा में रहने वाले सोमप्रभ शर्मा ने अपनी शिकायत में बताया कि मैच के दौरान अबरार अली ने गाली-गलौज की। इसका विरोध करने उसने अपने साथियों अक्षय सिंह, हैदर अली, ऋषभ सिंह के साथ मिलकर मारपीट की।

ताला काटकर मोबाइल शॉप से 1.4 लाख की चोरी

9 दिन बाद स्मार्ट फोन बेचते पुलिस ने नाबालिग सहित 4 को पकड़ा

बेमेतरा (ए)। बेमेतरा जिले की एक मोबाइल दुकान से लाखों रुपए के सामान की चोरी की गई है। आधी रात चोर दुकान का ताला तोड़कर अंदर घुसे, फिर महंगे स्मार्ट फोन, ईयर फोन, स्पीकर समेत अन्य सामान पार कर लिया। हालांकि चोरी की वारदात के लगभग 9 दिन के अंदर पुलिस ने एक नाबालिग समेत 4 चोरों को पकड़ लिया है। जिनके पास से चोरी के करीब 1 लाख 44 हजार रुपए का सामान बरामद कर किया गया हैं। मामला दाढी थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, दाढी के कुशाग्र श्रीवास्तव ने 12 अप्रैल को थाना में चोरी की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। उसने पुलिस को बताया था कि गौठान चौक के पास उसकी शिव शक्ति नाम की मोबाइल दुकान है। रोज की तरह वह 9 अप्रैल की रात दुकान बंद कर घर चला गया था। जब 10 अप्रैल की सुबह दुकान खोलने के लिए आया तो देखा दुकान का शटर खुला हुआ था। ताला कटा पड़ा था। वहीं दुकान से कई महंगे मोबाइल फोन समेत अन्य सामानों की चोरी हो गई। जिसके बाद थाना में चोरी की वारदात की जानकारी दी।

मोबाइल बेचने निकले थे चोर, पुलिस ने पकड़ा

चोरी की वारदात की जानकारी मिलने के बाद पुलिस लगातार चोरों को ढूंढने का प्रयास कर रही थी। इस दौरान पुलिस को मुखबिर से जानकारी मिली की 4 युवक मोबाइल को बेचने के लिए उमरिया चौक के पास ग्राहकों की तलाश कर रहे हैं। मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना के जवान मौके पर पहुंचे जिन्होंने चारों युवकों को पकड़ लिया। जिनसे पूछताछ की गई तो इन्होंने अपना नाम ओम प्रकाश साहू (31), तोरन साहू (19) और तीसरे ने अपना नाम डोमेन साहू (23) बताया। वहीं चौथा नाबालिग था। इनके पास से पुलिस ने चोरी के 18 नग स्मार्ट फोन, 12 नग पावर बैंक, ब्लूटूथ स्पीकर , ईयर फोन समेत भारी मात्रा में करीब 1 लाख 44 हजार के सामान बरामद किए। यह सभी सामान इन्होंने मोबाइल दुकान से चुराए थे। चोरों ने पुलिस को बताया कि रॉड़ काटने वाली कटर मशीन से दुकान का ताला काटा था। फिर दुकान के अंदर घुस कर सारा माल पार कर ले गए थे। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि, तीन युवकों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। जबकि एक नाबालिग को किशोर बोर्ड न्यायालय में पेश किया गया है।

दिव्यांग के दुष्कर्मी को 20 साल कैद

सजा से बचने युवक ने कर ली शादी, कोर्ट ने कहा- इससे अपराध की गंभीरता कम नहीं होती

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर में 15 साल की दिव्यांग लड़की से रेप करने वाले युवक को फास्ट ट्रैक कोर्ट ने 20 साल की सजा सुनाई है। लड़की शाम को शौच करने गई थी। तभी मौका पाकर युवक उसे पकड़कर खेत तरफ ले गया और दुष्कर्म किया। इस केस में सजा से बचने के लिए अभियुक्त ने जमानत के बाद दो साल पहले नाबालिग दिव्यांग से ब्याह भी रचा लिया था। लिहाजा, कोर्ट ने टिप्पणी किया है कि दुष्कर्म करने के बाद प्रकरण की लंबित होने पर विवाह करने से अपराध की गंभीरता कम नहीं हो जाती। ऐसा करने से इस तरह के अपराध को बढ़ावा मिलेगा।

जानकारी के अनुसार 16 साल की लड़की न तो बोल पाती है और न ही सुन पाती है। 10 दिसंबर 2019 को लड़की अपने कोठार में काम करने गई थी। वह धान की मिसाई कर शाम को अपने घर लौटी, तब उसके चाचा ने उसे देखा था। इसके बाद वह नहीं दिखी, तब परेशान होकर उसका चाचा ढूंढने निकला। खेत की तरफ जाने पर उसने गौकरण भार्गव को अपनी भतीजी के साथ रेप करते देख लिया। उसके चिल्लाने पर गौरकरण भाग कर पैरावट में छिप गया।

आवाज सुनकर पहुंचे ग्रामीण और युवक को पकड़ा

इस दौरान लड़की के चाचा के चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास धान की रखवाली कर रहे ग्रामीण भी दौड़कर पहुंच गए। उन्होंने पैरावट में छिपे गौकरण को पकड़ लिया। फिर उसकी पिटाई करते हुए गांव लेकर गए। इसके बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया।

इस घटना के बाद पीड़ित बच्ची ने अपनी मां को इशारों में रेप की कहानी सुनाई। उसने इशारों में बताया कि धान की मिसाई करने के बाद वह घर आ गई थी। इसके बाद शौच करने के लिए निकली थी। तभी मौका पाकर गौकरण उसे जबरदस्ती खेत तरफ ले गया और उसके साथ रेप किया। कोर्ट में सुनवाई के दौरान अभियुक्त के तरफ से जानकारी दी गई कि पीड़िता से आरोपी विवाह कर चुका है इसलिए उसे न्यूनतम सजा दी जाए। मामले को सुनने के बाद कोर्ट ने कहा कि यह सही है कि पीड़ता व अभियुक्त का वर्तमान में विवाह करना दिख रहा है। लेकिन, यहां यह भी विचारणीय है कि क्या एक मूक-बधिर अव्यवस्क बालिका के साथ दुष्कर्म करने के बाद प्रकरण के लंबित होने पर घटना के दो वर्ष बाद विवाह करने से क्या अपराध की गंभीरता कम हो जाती है? तो इसका जवाब यही दिया जा सकता है कि अभियुक्त की ओर से सजा से बचने के लिए ही विवाह करना प्रतीत हो रहा है। इसके कारण अभियुक्त द्वारा किए गए अपराध की ना तो गंभीरता कम होती है और ना ही केवल इस आधार पर उसे कम दंडादेश दिया जाना उचित होगा। क्योंकि अगर ऐसा किया जाता है तो इसका यही संदेश जाएगा कि इस तरह के अपराध करने के बाद दंड से बचने के लिए विवाह कर लिया जाए।

शराब के लिए शादी में खून-खराबा: बारात आने से पहले मांगे शराब के रुपए, इनकार करने पर लड़की वालों को जमकर पीटा

कोरबा (ए)। कोरबा में बुधवार रात शादी समारोह के दौरान जमकर उपद्रव हुआ। शराब के लिए रुपए देने से मना करने पर 25-30 लोगों ने लड़की के घर वालों व रिश्तेदारों को जमकर पीटा। इसके चलते महिलाओं सहित कई लोगों के सिर फूट गए। सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। खास बात यह है कि आरोपी पड़ोसी के यहां लड़के की शादी में शामिल होने के लिए आए थे। वारदात के बाद पड़ोसियों सहित सभी फरार हैं।

बालको क्षेत्र के बेलगरी में विजय प्रजापति की बहन की शादी थी। बारात आने से पहले तेल चढ़ाने की रस्म हो रही थी। वहीं नजदीक में भी एक लड़के की शादी का भी कार्यक्रम था। वहां लोग डांस कर रहे थे, लेकिन देर होने के कारण डीजे बंद हो गया। आरोप है कि तभी 20-30 लोग विजय के घर पहुंच गए। वहां विजय के घर में ही साउंड बॉक्स बज रहा था। आरोपियों ने उससे डीजे बजाने की मांग की और फिर शराब के लिए रुपए मांगने लगे।

इस पर विजय और उसके घर वालों ने मना कर दिया। इसके बाद आरोपी भड़क गए। वे पहले से ही नशे में धुत थे और उन्होंने वहां मौजूद लोगों से मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने उनको इतना पीटा कि लोगों के सिर फूट गए और सभी जगह खून-खून दिखाई देने लगा। आसपास के लोगों ने देखा तो वह मदद के लिए पहुंचे। इस पर आरोपी वहां से भाग निकले। इसके बाद सभी को अस्पताल पहुंचाया गया और पुलिस को सूचना दी गई।

मारपीट में पद्मा, विजय सहित 7 लोगों को गंभीर चोटें आई हैं। विजय ने बताया कि आरोपियों ने उसके घर के दरवाजे तक तोड़ डाले और बहुत नुकसान पहुंचाया है। पुलिस ने विजय की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। बताया जा रहा है कि वारदात के बाद से ही सभी आरोपी फरार हैं। इसमें विजय के पड़ोसी भी शामिल हैं। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बेमेतरा
शीतला मंदिर के पास सिंघौरी, जिला-बेमेतरा (छ.ग.)
E-mail Id- eeres.bemetara@gmail.com Phone No. 07824222332

क्र./712/का.अभि/वलेलि/ग्रा.यां.सेवा/2022-23 बेमेतरा, दिनांक 19/04/2022

जोनल निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 02

एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ग्रामीण यांत्रिकी सेवा उपसंभाग बेमेतरा में विभिन्न योजनाओं के तहत् लघु कार्य/जीर्णोद्धार कार्य भाग-05 एवं उपसंभाग साजा के लिए भाग-01 से भाग-03 तक अनुमानित लागत प्रत्येक भाग 20.00 लाख रूपये का जोनल निविदा आमंत्रित की जाती है।

उपरोक्त निविदा की समस्त शर्तें व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है तथा विभागीय वेबसाईट http://cg.nic.in/resworks में दिनांक 20.04.2022 से देखी/डाउनलोड की जा सकती है एवं निविदायें दिनांक 02.05.2022 को पूर्वान्ह 11.30 बजे खोली जावेगा।

(जे.एल.ध्रुव)
कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग-बेमेतरा
जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

जी-90435/5

बीजेपी नेता की बेटी की सड़क हादसे में मौत: जुड़वा बहन के साथ ट्यूशन से लौट रही थी, पिकअप ने मारी एक्टिवा को टक्कर

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर में गुरुवार शाम हुए सड़क हादसे में भारतीय जनता युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष की बेटी की मौत हो गई। वह अपनी जुड़वा बहन के साथ ट्यूशन पढ़कर एक्टिवा से लौट रही थी। इसी दौरान तेज रफ्तार पिकअप ने टक्कर मार दी। हादसे में घायल दूसरी बहन की हालत गंभीर है। उसे उपचार के लिए अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि पुलिस को हादसे का पता देर रात चला। घटना सरकंडा थाना क्षेत्र की है।

तोरवा क्षेत्र के देवरीखुर्द स्थित पंचायत भवन के पास रहने वाली सगुन सिंह (16) पुत्री मिथिलेश सिंह 10वीं कक्षा में पढ़ती थी। वह अपनी जुड़वा बहन पलक

सिंह के साथ ट्यूशन पढ़कर सरकंडा के राजकिशोर नगर से एक्टिवा पर घर लौट रही थी। अभी दोनों बहनें राजकिशोर नगर के ऊर्जा पार्क मोड़ के पास पहुंची थी, उसी समय तेज रफ्तार पिकअप क्रमांक के चालक ने उनकी एक्टिवा को टक्कर मार दी। घटना शाम करीब पांच बजे की है।

अपोलो अस्पताल में हुई मौत, बहन को कराया भर्ती

बताया जा रहा है कि इस हादसे के बाद वहां आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। इस बीच उन्होंने पुलिस के डायल 112 को कॉल किया। लेकिन, पुलिस समय पर नहीं पहुंची। इसके चलते आसपास के लोगों ने दोनों बहनों की गंभीर हालत को देखते हुए इलाज के लिए तत्काल अपोलो अस्पताल लेकर गए। अस्पताल में सगुन को मृत घोषित कर दिया। वहीं उसकी छोटी बहन को इलाज के लिए भर्ती कराया गया।

पुलिस को रात में मिली सूचना

सरकंडा टीआई परिवेश तिवारी ने बताया कि इस हादसे की सूचना पहले पुलिस को नहीं मिली थी। छात्रा की मौत के बाद गुरुवार की रात अपोलो अस्पताल के गार्ड ने सूचना दी। उसकी रिपोर्ट पर पुलिस ने पिकअप चालक के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। वहीं, घटनास्थल से पिकअप को जब्त कर लिया गया है।

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
सयपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

आदित्य ड्राई क्लीनर्स
Pick & Drop Service Available (Terms & Condition Applied)
98271-90875 99938-08453 75877-57239
सोफा पर्दा कारपेट सीटकवर लेदर जैकेट टेड्डी वियर शू
सभी प्रकार के कपड़ों का आधुनिक तकनीकी से ड्राईक्लीन किया जाता है।
Shop NO.-105, "A" Market, Sector-6, Bhilai (C.G.)

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

मिस एंड मिसेस
लेडिस वेयर
• गाऊन
• ब्रा. पेन्टी
• नाईटी
• ब्लाउज
सभी प्रकार के अंडरगारमेंट्स की विशाल रेंज
शॉप नं-113, सेक्टर-6, ए मार्केट भिलाई

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. - 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950